वर्ष : 16 अंक : 16 प्रत्येक गुरुवार प्रकाशित अनूपपुर 25 से 01 मई 2024 मूल्य 2.00 पृष्ठ 8 Epaper-www.fatwasamachar.com

डाक पंजी-SDL-0019/2025
RNI-MPHIN/2008/24599

फतवा

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ का लोकप्रिय समाचार पत्र

आपका विश्वास

सुविचार
लगातार श्रम करना ही आपकी सफलता का साथी है, इसलिए श्रम को सकारात्मक बनाएं विनाशक नहीं।

कई बार फ्लॉप हो चुकी है दो लड़कों की जोड़ी, यूपी में बोले पीएम मोदी-

मैं गरीब का बेटा हूं...गरीबी का दर्द समझता हूं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश शाहजहांपुर में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि ये चुनाव सिर्फ सांसद बनाने और सरकार बनाने भर का नहीं है। ये चुनाव... आपका एक-एक वोट सशक्त भारत के संकल्प को मजबूती देने की गारंटी है और ये मोदी की गारंटी से भी ज्यादा आपके वोट की गारंटी है। इस बार आपका वोट... देश विरोधी मानसिकता वाले लोगों को एक बहुत कड़ा संदेश देने वाला है।

उन्होंने कहा कि जब यहां योगी जी की सरकार आई तो सपा के काल में ठप्प पड़ी सभी योजनाएं और विकास की गाड़ी तेजी से दौड़ना शुरू हुई। पहले जहां सड़कें सलामत नहीं थीं... अब वहां एक्सप्रेस-वे गुजर रहे हैं।

राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर हमला करते हुए मोदी ने कहा कि दो लड़कों की जोड़ी... जो कई बार फ्लॉप हो चुकी है, आप उनसे विकास की कोई उम्मीद नहीं कर सकते हैं। हमारी सरकार के लिए युवा, गरीब, किसान और नारीशक्ति... ये पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हमने 4 करोड़ गरीबों को पीएम आवास के तहत घर दिए हैं, जिनमें से अधिकांश महिलाओं के नाम पर बनवाए गए हैं। यही नहीं, हम 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि मोदी अपने काम का, देश के विकास का लेखा-जोखा देकर आपसे आशीर्वाद मांगता है, वोट मांगता है। लेकिन आपने कभी सपा-कांग्रेस को अपने कार्यकाल का हिसाब देते देखा है क्या? नरेंद्र मोदी ने कहा कि पहले लखनऊ-कानपुर आए दिन आतंकी हमले होते थे, बम धमाके होते थे। इसके सिवा सपा-कांग्रेस वाले कुछ बता भी नहीं सकते थे, क्योंकि उन्होंने ऐसा कुछ काम किया ही नहीं, जिसका वो रिपोर्ट दे सकें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सबसे बड़ी नेता आतंकियों के मरने पर आंसू बहा रही थीं। ऐसे

लोग आपको मंजूर हैं क्या? यही नहीं, सपा वाले तो ऐसे थे कि जो आतंकी जेल में थे उनको जेल से रिहा करवाने के लिए भांति-भांति के कानूनी रास्ते खोज रहे थे। क्या ऐसे लोगों के हाथ में आपका भविष्य सुरक्षित है? और आज भी ये सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। मोदी ने कहा कि कांग्रेस की पहचान रही है- इनको जब भी बड़ा कुकृत्य करना होता है तो ये देश और संविधान के नाम पर हो-हल्ला करना शुरू कर देते हैं। 70 के दशक में ऐसे ही नारे लगाकर कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाया था, देश को जेलखाना बना दिया था, अखबारों पर ताले लगा दिए थे, देश के लाखों लोकतंत्र प्रेमियों को सलाखों के पीछे बंद कर दिए थे। उन्होंने कहा कि एक बार फिर कांग्रेस ने अपनी फ्लॉप फिल्म रिलीज की है। कांग्रेस की इस फिल्म में दो डायलॉग हैं- पहला- मोदी जीत जाएगा तो तानाशाही आ जाएगी। दूसरा- मोदी जीत जाएगा तो आरक्षण चला जाएगा... ये ऐसा ही झूठ चलाते रहते हैं। लेकिन जैसे ही इस फिल्म का ट्रेलर उनके घोषणा पत्र में दिखाई दिया, लोगों ने पढ़कर निकाला तो कांग्रेस का असली चेहरा, उनका हिडेन एजेंडा देश को पता चल गया। अब इनकी एक-एक कर सारी सच्चाई देश के सामने आने लगी है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस, दलितों का, पिछड़ों का, आदिवासियों का हक छीनने का षड्यंत्र लंबे समय से कर रही है। 2011 में कांग्रेस की केंद्र सरकार धर्म के नाम पर आरक्षण देने का एक ड्राफ्ट कैबिनेट में लेकर आई थी। उन्होंने कहा कि इस कैबिनेट ड्राफ्ट में कहा गया था कि OBC समाज को जो 27 प्रतिशत आरक्षण मिलता है, उसका एक हिस्सा काटकर, मजहब के नाम पर दिया जाएगा। कांग्रेस का इरादा है कि OBC का आरक्षण छीन कर उनके खास पसंद वालों को दिया जाएगा। मैं गरीब का बेटा हूं... हर गरीब का दर्द समझता हूं। इसलिए भाजपा को जब आपने सेवा करने का मौका दिया तो मैंने जो सामान्य वर्ग के लोग हैं, उनमें जो गरीब हैं उनकी भी चिंता की और 10 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया।

कांग्रेस मैनिफेस्टो समझाने के लिए खड़गे ने मांगा पीएम से समय, बोले- सांप्रदायिक विभाजन पैदा करना बन गई है आपकी आदत

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सबसे पुरानी पार्टी के न्याय पत्र को समझाने के लिए उनका समय मांगा। कांग्रेस के घोषणापत्र का बचाव करते हुए, खड़गे ने कहा कि न्याय पत्र का उद्देश्य युवाओं, महिलाओं, किसानों, मजदूरों और सभी जातियों और समुदायों के हाशिए पर रहने वाले लोगों को न्याय प्रदान करना है। खड़गे ने लिखा कि आपके सलाहकार आपको उन चीजों के बारे में गलत जानकारी दे रहे हैं जो हमारे घोषणापत्र में भी नहीं लिखी गई हैं। मुझे आपसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर हमारे न्याय पत्र के बारे में समझाने में बहुत खुशी होगी ताकि देश के प्रधान मंत्री के रूप में आप कोई भी गलत बयान न दें। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, संदर्भ से हटकर कुछ शब्दों को पकड़ना, सांप्रदायिक विभाजन पैदा करना आपकी आदत बन गई है। मोदी के हालिया भाषणों का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि वह प्रधानमंत्री द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा से न तो हैरान हैं और न ही हैरान हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीद थी कि चुनाव के पहले चरण में बीजेपी का निराशाजनक प्रदर्शन देखने के बाद आप और आपकी पार्टी के अन्य नेता इस तरह की बातें करना शुरू करेंगे। कांग्रेस वंचित गरीबों और उनके अधिकारों (न्याय) की बात करती रही है। हम जानते हैं कि आपको और आपकी सरकार को गरीबों और वंचितों की कोई चिंता नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

मैं शांति की पहल करने को तैयार, जय देहाद्राई ने महुआ मोइत्रा के खिलाफ वापस लिया मानहानि केस

नई दिल्ली। वकील जय अनंत देहाद्राई ने गुरुवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता महुआ मोइत्रा के खिलाफ दायर अपना मानहानि का मुकदमा वापस ले लिया। न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ ने आदेश में कहा कि निर्देश पर वादी के वकील ने मुकदमा वापस लेने की अनुमति मांगी, मुकदमा वापस लिया गया मानकर खारिज किया जाता है। महुआ के खिलाफ मुकदमा वापस लेने की कार्रवाई देहाद्राई द्वारा समन्वय पीठ के समक्ष आश्वासन देने के एक दिन बाद हुई है कि वह 12 अगस्त तक बीजू जनता दल (बीजेडी) के सांसद पिनाकी मिश्रा के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपराधिक साजिश रचने में शामिल होने का कोई आरोप नहीं लगाएंगे। मोइत्रा को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक बयान देने और उनके लिए कथित रूप से अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने से रोकने की मांग की थी। इसमें कहा गया कि 14 अक्टूबर को उनके खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) में शिकायत दर्ज करने के बाद टीएमसी नेता ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मुख्यधारा मीडिया का उपयोग करते हुए बदनामी और दुर्व्यवहार का एक निरंतर अभियान शुरू किया है।

ज्ञानवापी पर फैसला देने वाले जज को मिली जान से मारने की धमकी, इंटरनेशनल नंबर से आ रहे कॉल

नई दिल्ली। 2022 में वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के वीडियोग्राफिक सर्वेक्षण का आदेश देकर सुर्खियों में आए अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर ने अंतर्राष्ट्रीय नंबरों से मौत की धमकी प्राप्त करने के बारे में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। बरेली के पुलिस अधीक्षक को लिखे अपने पत्र में न्यायमूर्ति दिवाकर ने दावा किया कि उन्हें 15 अप्रैल को एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से कॉल आया और जान से मारने की धमकी दी गई। कुछ दिन बाद इसी तरह की एक और कॉल आई। न्यायमूर्ति दिवाक का हाल ही में बरेली में ट्रांसफर किया गया है। उन्होंने पहले भी कहा था कि उन्हें और उनके परिवार को धमकियाँ मिली थीं। जज ने मामले की जांच की मांग की है। बरेली स्थानांतरित होने के बाद, न्यायमूर्ति दिवाकर ने 2018 बरेली दंगा मामले में स्वत: संज्ञान कार्रवाई शुरू की। उन्होंने मौलाना तौकीर रज़ा को 2018 के बरेली दंगों में कथित मास्टरमाइंड होने के आरोप में मुकदमे का सामना करने का आदेश दिया था।

प्रधानमंत्री की टिप्पणी हमारे लिए नीतिगत मामले की तरह

नई दिल्ली। बीजेपी नेता और राज्यसभा सांसद अशोक चव्हाण ने कहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने साफ कह दिया है कि भारत के संविधान में कोई बदलाव नहीं होगा। चव्हाण ने यह टिप्पणी अपने गृह जिले नांदेड़ में मीडिया से बात करते हुए की है। शुक्रवार को महाराष्ट्र की सात अन्य लोकसभा सीटों के साथ मतदान होगा। चव्हाण ने कहा कि हमारी पार्टी के शीर्ष नेता और प्रधान मंत्री मोदी ने स्पष्ट रूप से बताया है कि संविधान में कोई बदलाव नहीं होगा। प्रधानमंत्री की टिप्पणी हमारे लिए एक नीतिगत मामले की तरह है। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम चव्हाण ने बताया कि संविधान बदलने के मुद्दे पर व्यक्ति गत टिप्पणियों से ज्यादा महत्वपूर्ण बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व का रुख है। उन्होंने कहा कि मेरी पार्टी के शीर्ष नेता (प्रधानमंत्री) इसके (संविधान) बारे में क्या कहते हैं, यह हमारे लिए (इस मुद्दे पर किसी व्यक्ति की टिप्पणी से) अधिक महत्वपूर्ण है। चव्हाण ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जिन व्यक्ति यों ने भारत के संविधान को बदलने से संबंधित टिप्पणी की, उन्हें भाजपा से चेतावनी मिली। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ऐसे नेता को कर्नाटक में बीजेपी ने टिकट नहीं दिया।

शरद पवार ने पीएम मोदी के बयान को बताया शर्मनाक, कहा-

उनके विचार से देश की एकता को ठेस पहुंच सकती है

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के संस्थापक शरद पवार ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके भाषणों में एक समुदाय पर किए गए हमले अस्वीकार्य और शर्मनाक थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि लोग उम्मीद करते हैं कि देश का प्रधानमंत्री जाति, धर्म, भाषा आदि से परे सभी के लिए हो। एक भाषण में उन्होंने देश में अल्पसंख्यकों को लेकर अलग रुख अपनाने की कोशिश की। चुनाव प्रचार के दौरान हम उनके पक्ष को लोगों के बीच ले जाएंगे और लोगों को यह समझाने की कोशिश करेंगे कि उनके विचार से देश की एकता को ठेस पहुंच सकती है और इसकी निंदा की जानी चाहिए। उनका बयान शर्मनाक है क्योंकि वह देश के प्रधानमंत्री हैं, जिनसे सभी का नेतृत्व करने और सभी के हित सुनिश्चित करने की उम्मीद की जाती है, लेकिन वह एक समुदाय के बारे में इतनी बुरी बात कर रहे हैं। 83 वर्षीय पवार ने रायगढ़ में शिवसेना (यूबीटी) अनंत गीते के समर्थन में एक अभियान रैली में यह बात कही।

एक दिन 'डायनासोर' की तरह विलुप्त हो जाएगी कांग्रेस : राजनाथ सिंह

लखीमपुर खीरी (उत्तर प्रदेश)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि जिस तरह से कांग्रेस चल रही है, वह जल्द ही 'डायनासोर' की तरह विलुप्त हो जाएगी। सिंह ने खीरी लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार अजय कुमार मिश्रा और धौरहरा से पार्टी प्रत्याशी रेखा वर्मा के समर्थन में लखीमपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर हमला किया।

उन्होंने कहा, वे दिन करीब आ गए हैं जब ये पार्टियां अतीत की बात हो जाएंगी। उन्होंने दावा

किया, कांग्रेस जिस तरह चल रही है, एक दिन वह डायनासोर की तरह विलुप्त हो जाएगी। सिंह ने भारत में विरासत कर को लेकर इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) के अध्यक्ष सैम पित्रोदा की हालिया टिप्पणी की याद दिलाते हुए लोगों को आगाह किया और कहा कि कोई भी भारतीय परिवार अपने मुखिया की मृत्यु के बाद अपनी संपत्ति का 55प्रतिशत हिस्सा नहीं छोड़ सकता।

अपने आधे घंटे से अधिक लंबे संबोधन में रक्षा मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि साल 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से भारत रक्षा, आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और विकास के मामले में किस तरह से आगे बढ़ा है। लोगों से भाजपा सरकार को फिर से सत्ता में लाने का आग्रह करते हुए सिंह ने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो अपने वादे पर काम करती है। उन्होंने कश्मीर से अनुच्छेद 370 को खत्म करने, अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण, तीन तलाक और नागरिकता कानून जैसे विभिन्न कदमों का जिक्र किया। सिंह ने जोर देकर कहा, रामलला अब कुटिया से अपने शाही महल में चले गए हैं, जो दर्शाता है कि भारत में रामराज्य का आरम्भ हो चुका है। भारत-चीन सीमा पर सुरक्षा खतरे को नजरअंदाज करने के लिए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, चीनी घुसपैठ के डर से कांग्रेस सरकारें चीन सीमा पर सड़क निर्माण से बचती थीं। मोदी सरकार के शासन में आज सीमा पर बुनियादी ढांचे को मजबूत किया गया है और जरूरत पड़ने पर सेना उचित जवाब देने के लिए तैयार है।

सैम पित्रोदा के बयान पर भड़कीं मायावती, कांग्रेस आलाकमान पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा की विरासत कर पर टिप्पणी ने राजनीतिक क्षेत्र में एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी और पार्टी के अन्य नेताओं द्वारा बहुचर्चित विवादास्पद बयान पर प्रतिक्रिया देने के बाद, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती भी कांग्रेस पार्टी पर जमकर बरसीं। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता द्वारा विरासत कर का विचार और वकालत राजनीति से प्रेरित कदम है और इसका मतलब गरीबों का कल्याण नहीं है। मायावती ने एक्स पोस्ट में लिखा किकांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा भारत में धन के वितरण की आड़ में, अमेरिका की तरह, निजी सम्पत्ति पर 'विरासत टैक्स' की सोच व उसकी पैरवी गरीबों की भलाई का कम व राजनीति से प्रेरित इनकी 'गरीबी हटाओ' की चर्चित विफलता पर से लोगों का ध्यान बांटने का चुनावी प्रयास ज्यादा लगता है।

पटना के एक होटल में लगी भीषण आग, अब तक 6 की मौत, कई घायल, इलाके में मचा हड़कंप

नई दिल्ली। गुरुवार को पटना रेलवे स्टेशन के पास एक होटल में आग लगने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र के गोलंबर के पास होटल में आग लग गई। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

पटना अग्निशमन के डीआइजी मृत्युंजय कुमार ने कहा कि अधिकारियों ने आग बुझा दी और सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया। जानकारी के मुताबिक, अग्निशमन अधिकारियों और स्थानीय पुलिस ने होटल से कई लोगों को बचाया। अब तक कई लोगों को बचाया गया है और पीएमसीएच भेजा गया है। मौके पर पहुंचीं होम गार्ड और फायर सर्विसेज की महानिदेशक शोभा ओहतकर ने संवाददाताओं से कहा, हमने 16,000 से अधिक होटलों का फायर ऑडिट किया है और यह अभी भी चल रहा है। उन्हें फायर ऑडिट में विशिष्ट निर्देश दिए गए हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न कर रहे हैं पुलिसकर्मी, हस्तक्षेप करें मुख्य निर्वाचन आयुक्तः अधीर

नई दिल्ली। कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रमुख और बहरामपुर लोकसभा सीट से उम्मीदवार अधीर रंजन चौधरी ने बुधवार को मुख्य निर्वाचन आयोग राजीव कुमार को पत्र लिखकर 'पार्टी की चुनावी संभावनाओं को प्रभावित करने के इरादे से' पुलिसकर्मियों द्वारा पार्टी कार्यकर्ताओं के कथित उत्पीड़न के मामले में हस्तक्षेप की मांग की। चौधरी ने अपने दो पृष्ठ के पत्र में आरोप लगाया कि बहरामपुर में दो पुलिस अधिकारी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को परेशान कर रहे हैं और लोकसभा चुनाव में पार्टी की संभावनाओं को प्रभावित करने के इरादे से उन्हें झूठे व मनगढंत आरोपों में फंसा रहे हैं।' उन्होंने पत्र में कहा, यह पत्र लिखकर मैंआपका ध्यान पार्टी की चुनावी संभावनाओं को प्रभावित करने के इरादे से कांग्रेस से जुड़े व्यक्ति यों को झूठे और मनगढ़ंत आरोपों में फंसाने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा कानून के दुरुपयोग की ओर दिलाना चाहता हूं। आपसे तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध करता हूं।'

राजनीति

कन्नौज से चुनावी मैदान में उतरे अखिलेश, परिवार की मौजूदगी में किया नामांकन, बोले-

नकारात्मक राजनीति कर रही भाजपा

नई दिल्ली। शुक्रवार को होने वाले दूसरे चरण के मतदान से पहले, समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने कन्नौज लोकसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। सपा प्रमुख, (जिन्होंने 2000 और बाद में 2004 और 2009 में इस सीट का प्रतिनिधित्व किया था) ने राम गोपाल यादव सहित पार्टी नेताओं की उपस्थिति में नामांकन दाखिल किया। पत्रकारों से बातचीत में रामगोपाल यादव ने कहा कि सपा भारी अंतर से सीट जीतेगी। उन्होंने कहा, भाजपा उम्मीदवार इस सीट

पर अपनी जमानत जब्त कर सकते हैं।

गौरतलब है कि राजनीतिक अपडेट समाजवादी पार्टी द्वारा पूर्व मैनपुरी सांसद तेज प्रताप सिंह यादव को अपने उम्मीदवार के रूप में दाखिल करने के अपने पहले के फैसले को पूरी तरह से उलटने का प्रतीक है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि मैंने अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी, नेताओं, कार्यकर्ताओं और सभी की भावना थी कि मैं यहां से समाजवादी पार्टी की तरफ से चुनाव लड़ूं। मैं सभी का आभार व्यक्त करता हूं। मुझे उम्मीद है कि मुझे यहां से आशीर्वाद मिलेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि विकास जानबूझकर भाजपा सरकार ने रोका क्योंकि इसकी शुरुआत समाजवादी ने की थी। बीजेपी ने नकारात्मक राजनीति की है। बीजेपी ने बार-बार लोगों का अपमान किया है...मैं पहले भी कन्नौज के लोगों की सेवा करने आया था। कन्नौज की जनता ने विकास होते देखा है। भाजपा सांसद ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव सबसे बड़ा त्योहार है।

संपादकीय

सेहत सुरक्षा-कवच

भारत जैसे देश में जहां सेवानिवृत्त लोगों व बुजुर्गों के लिये पश्चिमी देशों की तरह चिकित्सा सुविधाओं का कवच नहीं है, वहां लोगों की अंतिम उम्मीद खुद खरीदी गई बीमा पॉलिसियों पर टिक जाती है। लेकिन बीमा कंपनियों के निरंकुश व्यवहार और उपचार के बाद बिलों के भुगतान में किंतु-परंतु के चलते वृद्धों को यह भरोसा नहीं होता कि बीमा कंपनियां उनके उपचार का पूरा पैसा उपलब्ध करा देंगी। बहरहाल, स्वास्थ्य सेवा तंत्र को अधिक समावेशी और सर्वसुलभ बनाने की दिशा में भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीएआई ने स्वास्थ्य बीमा खरीदने वाले व्यक्तियों के लिये 65 वर्ष की आयु सीमा को हटा दिया है। हाल ही में एक अधिसूचना में बीमा नियामक ने बीमाकर्ताओं को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि वे सभी आयु समूहों के लिये उपयोगी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी पेश करें। अकसर देखा गया है कि बीमा कंपनियां व एजेंट अधिक उम्र वाले लोगों को तब जीवन रक्षक पॉलिसी देने से मना कर देते हैं जब उनको इसकी जरूरत होती है। इतनी ही नहीं कंपनी के हित में बनायी गई पुरानी नीतियों के आधार पर कई दावों को खारिज कर दिया जाता है। बीमा नियामक द्वारा बीमा कंपनियों को पहले से निर्धारित स्थितियों के आधार पर दावों को खारिज करने से रोका गया है। बीमा नियामक ने कहा है कि बीमाकर्ता अब कैंसर, हृदय रोग व गुर्दे के काम न करने पर, एड्स जैसी गंभीर चिकित्सा स्थितियों वाले व्यक्तियों को पॉलिसी जारी करने से इनकार नहीं कर सकते। निश्चित रूप से यह तार्किक स्थिति है कि सेवानिवृत्ति के बाद आय के साधन सिमटने, शरीर द्वारा साथ न देने व अपनों का साथ छूटने से लाचार व्यक्ति को उपचार के लिये अब चिकित्सा बीमा कवच मिल सकेगा। निस्संदेह, इस तरह के कई गंभीर रोगों से ग्रस्त लोग चिकित्सा बीमा न मिल पाने की स्थिति में गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। कोरोना संकट के दौरान कई परिवारों के गरीबी के दुश्चक्र में फंसने के मामले सामने आए हैं। निश्चित रूप से बीमा नियामक की यह पहल वक्त की जरूरत के हिसाब से एक कल्याणकारी व्यवस्था की तरफ बढ़ा कदम है। यदि बुजुर्गों को बीमा सुविधा मिलने लगेगी तो वे अप्रत्याशित चिकित्सा खर्चों के झटकों को झेलने के लिये पहले से ही बेहतर तैयारी कर सकते हैं। निश्चित रूप से यह सुविधा उस देश के लिये बदलावकारी हो सकती है जहां कि युवा आबादी बुजुर्ग आबादी की दिशा में बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार वर्ष 2050 तक वरिष्ठ नागरिकों की संख्या देश की कुल आबादी की बीस प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है। ऐसे में बेहतर जीवन प्रत्याशा हेतु और महिलाओं की सेहत हेतु स्वास्थ्य बीमा का खासा प्रभाव हो सकता है। लेकिन इस बात में दो राय नहीं कि बीमा उत्पादों को उपभोक्ता-अनुकूल बनाने की सख्त जरूरत है। दरअसल, आम उपभोक्ता शब्दजाल और बीमा पॉलिसियों की जटिलताओं के कारण बीमा उत्पादों को खरीदने से संकोच करते हैं।

जलवायु संकट से जीवन रक्षा का अधिकार

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन एवं आजादी की सुरक्षा) के दायरे को विस्तार देते हुए स्वतंत्रता के अधिकार या जलवायु परिवर्तन के विपरीत प्रभावों से सुरक्षा की आजादी को मान्यता दी है। सर्वप्रथम तो यह स्पष्ट हो कि आखिर 'अधिकार' का अर्थ क्या है। 'अधिकार' किसी व्यक्ति अथवा समूह द्वारा किया वह दावा है (जैसे कि महिला, एलजीबीटीक्यूआईए इत्यादि) जिसकी अहमियत इसकी कीमतों और फायदों से कहीं ऊपर होती है। उदाहरणार्थ, एक पुलिसकर्मी यह दलील नहीं दे सकता कि किसी विधवा के यहां हुई चोरी को सुलझाने में जो वक्त और पैसा लगेगा यदि वह चोरी हुए माल या धन से अधिक है तो उसकी शिकायत पर कार्रवाई करने का क्या औचित्य। दूसरा, अधिकार में सामान्यत: फर्ज भी निहित होता है- किसी व्यक्ति, संस्थान अथवा सरकार का- ताकि दावा सही लगे। विभिन्न गैसों के वैश्विक उत्सर्जन, जिसको ग्रीन हाउस गैस भी कहा जाता है, इनकी वजह से जलवायु परिवर्तन हो रहा है। ऐसे प्रभाव का विकासशील मुल्कों के अपने उत्सर्जन से संबंध कम ही है। इनकी सरकारें अपने तौर पर वैश्विक स्तर के ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को सीमित करने में कुछ अधिक नहीं कर सकतीं। इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय सर्वसम्मति की जरूरत है, इस दिशा में अपेक्षित चाल 1992 से ही धीमी है, जब संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेन्शन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) नामक प्रस्ताव अपनाया गया था। यूएनएफसीसीसी मानता है कि जलवायु परिवर्तन के कारकों को थामने, उत्सर्जन घटाने और प्रभावों को कम करने में विकसित मुल्कों के पास अधिक क्षमता है, इसे 'सामान्य किंतु अंतर लाने वाली जिम्मेवारी' नामक सिद्धांत के तौर पर जाना जाता है। पेरिस संधि-2015 के ध्येयों पर अमल फिलहाल शोचनीय रूप से बहुत कम है, जिसके अंतर्गत वैश्विक औसत तापमान में बढ़ोतरी स्वीकार्य सीमा 1.5 डिग्री सेल्सियस के भीतर बनाए रखना है। लेकिन यह न होने पर, वास्तविक धरातल पर इसके प्रभाव स्वरूप मौसम में तीव्र बदलाव बढ़ते जा रहे हैं। इन परिस्थितियों में, क्योंकि पर्यावरणीय बदलाव भारत पर भी प्रभाव पड़ रहे हैं और अधिकांशत: इसके पीछे जिम्मेवार विकसित देशों के कारनामे हैं, क्या एक आम नागरिक इस जलवायु परिवर्तन से आजादी का हक पाने का दावा कर सकता है? तर्क के आधार कर कहें तो समस्या का मुख्य जिम्मेवार विकसित देशों का समूह है। अब तक, अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण परिवर्तन संधियां विकासशील राष्ट्रों को सुधारक उपाय अपनाने के हेतु बहुत कम धन उपलब्ध करवा पाई हैं। इसलिए, तो क्या सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का अर्थ है कि लागत चाहे कितनी भी हो, भारतीय सरकार को पर्यावरण में सुधार के उपाय करने ही होंगे? इस अधिकार की अन्य अवधारणा है स्वतंत्रता का अधिकार बनाम भलाई का अधिकार। जीवन का अधिकार, अभिव्यक्ति की आज़ादी इत्यादि स्वतंत्रता के अधिकार में आते हैं। शिक्षा का अधिकार, जलवायु परिवर्तन से निजात के अधिकार सहित साफ-सुथरा पर्यावरण पाने के हक को भलाई अधिकारों में गिना जाता है। स्वतंत्रता अधिकार में केवल जरूरत है अन्य कोई इनका उल्लंघन न करने पाए जबकि भलाई अधिकार वह हैं जिसकी प्राप्ति करने में तदनुरूप कर्तव्यों पर उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई की जरूरत होती है। स्वतंत्रता अधिकारों को लागू करने में अधिकांशत: बहुत ज्यादा कीमत नहीं लगती। लेकिन, कल्याण अधिकारों को मूर्त रूप देने में सामान्यत: बहुत बड़े स्तर पर संसाधनों की आवश्यकता पड़ती है। किंतु जब संसाधन पहले से कम पड़ते हों, जैसा कि विकासशील मुल्कों में होता है, तब चुनाव करते वक्त विभिन्न अन्य कल्याण अधिकारों को तरजीह देनी पड़ती है।

अनेक अध्ययन दर्शाते हैं कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव कम करने में बहुत ज्यादा धन की जरूरत पड़ती है। विकसित देशों की ओर से विशाल मात्रा में अंतर्राष्ट्रीय मदद राशि की अनुपस्थिति के मायने हैं कि भारत सरकार को अपने संसाधन जुटाकर इस समस्या का हल निकालना पड़ेगा। अगर सरकार को अन्य विभिन्न कल्याण अधिकार भी सुनिश्चित करने हैं तो सीमित संसाधनों के चलते प्रत्येक मामले में प्राप्ति आंशिक ही होगी। लगातार बदलते अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण परिवर्तन नियमों के तहत पर्यावरण अधिकार की संपूर्ण प्राप्ति को जरूरत है विकसित देशों से नवीन एवं अतिरिक्त संसाधन विकासशील मुल्कों को दिए जाने की। लेकिन इस किस्म के संसाधन मिलने की संभावना बहुत क्षीण है। वर्ष 2005 में केंद्रीय सरकार द्वारा प्रदत्त धन से पर्यावरण संबंधित प्रभावों पर एक अध्ययन हुआ था। इसके उद्देश्यों में योजनाएं एवं निवारण कार्यक्रम का सुझाव देने के अलावा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से बनी स्थिति में राहत उपाय (सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, वानिकी, चक्रवात शरणस्थली) की शिनाख्त करना और उन पर होने वाले खर्च का अनुमान देना था। इसके निष्कर्ष चौंकाने वाले थे, भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 1.8 प्रतिशत इस किस्म के कार्यक्रमों के ऊपर खर्च हुआ था, यह व्यय भारत के रक्षा बजट जितना था। हो सकता है बाद में यह मात्रा और बढ़ गई हो। अतएव, क्या जलवायु परिवर्तन से आजादी के अधिकार को मान्यता देने की व्यावहारिकता में काफी उलझने हैं? साफ तौर पर, बाहरी स्रोतों का प्रभाव, यदि कोई है, तो वह बहुत कम होगा। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का जोखिम कम करने में होने वाले खर्च के ऐतिहासिक स्तर के मद्देनज़र लगता नहीं कि जलवायु परिवर्तन अधिकार को मूर्त रूप देने के लिए सकल घरेलू उत्पाद के अंश में बढ़ोतरी करने की गुंजाइश है। तथापि, जैसा कि देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि हो रही है, समस्त संसाधनों का स्तर भी बढ़ेगा। साथ ही, नागरिकों की आय बढ़ने पर, वे जलवायु प्रभाव के परिणामों से बचने को निजी तौर पर अधिक खर्च कर पाएंगे, मसलन, सुरक्षित आवास, स्वास्थ्य देखभाल पर अधिक खर्च, जल-संचयन और अतिशयी आपदाओं के संदर्भ में बीमा करवाना इत्यादि। कुल मिलाकर, जैसे-जैसे देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि होगी वैसे-वैसे जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से नागरिकों का जोखिम कम होता जाएगा। इस असर से मुक्ति पाने में विकास एक चाबी है। कदाचित सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का मुख्य आशय जलवायु संबंधी जोखिमों से बचाव करने पर खर्च में कटौती की भावी संभावना को खत्म करना है।

सर्वोच्च न्यायालय का फैसला उस याचिका के संदर्भ में आया है जिसमें राजस्थान और गुजरात में संकटग्रस्त ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (तिलोर) पक्षी के अभयारण्य स्थल से होकर गुजरने वाली अक्षय ऊर्जा की बिजली तारों को जमीन के नीचे डालने का फैसला देने के खिलाफ अपील लगाई गई थी। ऊंचे खम्भों के माध्यम से लगी बिजली आपूर्ति तारों से टकरा कर बड़ी संख्या में पक्षी मारे जाते हैं। बिजली कंपनियों की दलील है कि इसमें बहुत खर्च आएगा और अक्षय ऊर्जा की दरें प्रतिस्पर्धात्मक नहीं रहेंगी। साफ है, जलवायु सततता का अधिकार और ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन घटाने में भारत की अंतर्राष्ट्रीय जिम्मेवारी का निर्वहन इस मामले में परस्पर विरोधाभासी है। इस अक्षय ऊर्जा की परियोजना की क्षति से भारत को पेरिस जलवायु संधि में किए वादे को निभाना और मुश्किल हो जाएगा। और यदि इस योजना को जारी रखें तो संकटग्रस्त पक्षी की प्रजाति को बचाना कठिन हो जाएगा। अदालत का सुझाव है कि इन दोनों चिंताओं का व्यावहारिक हल निकालने के लिए विशेषज्ञ अध्ययन करवाया जाए। यदि रास्ता निकलता है तो बहुत बढ़िया वर्ना शायद नीति अनुसंधान संस्थान इस मुश्किल दुविधा का हल निकालने में मददगार हो पाए।

प्रेरक प्रसंग

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल

भारत के प्रथम गृह मंत्री और प्रथम उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल को हम लौह पुरुष के नाम से भी जानते हैं। उनके द्वारा किए गए साहसिक कार्यों की वजह से ही उन्हें लौह पुरुष और सरदार जैसे उपाधियों से नवाजा गया।

आज हम जिस, कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैले विशाल भारत को देख पाते हैं उसकी कल्पना सरदार वल्लभ भाई पटेल के बिना शायद पूरी नहीं हो पाती, उन्होंने ही देश के छोटे-छोटे रजवाड़ों और राजघरानों को एक कर भारत में सम्मिलित किया।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और भारतीय एकता की जब भी बात होती है तो सरदार पटेल का नाम सबसे पहले ध्यान में आता है, उनकी दृढ़ इच्छा शक्ति, नेतृत्व कौशल और अदम्य साहस का ही कमाल था कि 600 देशी रियासतों का भारतीय संघ में विलय हो सका। बिस्मार्क ने जिस तरह जर्मनी के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई उसी तरह वल्लभ भाई पटेल ने भी आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया। बिस्मार्क को जहां जर्मनी का 'आयरन चांसलर' कहा जाता है वहीं पटेल भारत के लौह पुरुष कहलाते हैं। वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर, 1875 को गुजरात के नाडियाड में उनके ननिहाल में हुआ। वह खेड़ा जिले के कारमसद में रहने वाले झावेर भाई पटेल और लाडबा पटेल की चौथी संतान थे। बचपन से ही उनके परिवार ने उनकी शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया। हालांकि 16 साल की उम्र में ही उनका विवाह कर दिया गया था पर उन्होंने अपने विवाह को अपनी पढ़ाई के रास्ते में नहीं आने दिया और 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और ज़िला अधिवक्ता की परीक्षा में भी उत्तीर्ण हुए, जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली। अपनी वकालत के दौरान उन्होंने कई बार ऐसे केस लड़े जिसे दूसरे निरस और हारा हुआ मानते थे। उनकी प्रभावशाली वकालत का ही कमाल था कि उनकी प्रसिद्धी दिनों-दिन बढ़ती चली गई।गम्भीर और शालीन पटेल अपने उच्चस्तरीय तौर-तरीक़ों और चुस्त अंग्रेज़ी पहनावे के लिए भी जाने जाते थे, लेकिन गांधीजी के प्रभाव में आने के बाद उनके जीवन की राह ही बदल गई। 1917 में मोहनदास करमचन्द गांधी के संपर्क में आने के बाद उन्होंने ब्रिटिश राज की नीतियों के विरोध में अहिंसक और नागरिक अवज्ञा आंदोलन के जरिए खेड़ा, बरसाड़ और बारदोली के किसानों को एकत्र किया। अपने इस काम की वजह से देखते ही देखते वह गुजरात के प्रभावशाली नेताओं की श्रेणी में शामिल हो गए। जन कल्याण और आजादी के लिए चलाए जाने वाले आंदोलनों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के चलते उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में महत्वपूर्ण स्थान मिल गया। गुजरात के बारदोली ताल्लुका के लोगों ने उन्हें 'सरदार' नाम दिया और इस तरह वे सरदार वल्लभ भाई पटेल कहलाने लगे। सन 1947 में भारत को आजादी तो मिल गयी थी लेकिन इसके बावजूद देश के सामने चुनौती थी अपनी छोटी-छोटी रियासतों को एक करने की जिससे एक अखंड व् विशाल भारतवर्ष का सपना साकार हो पाता। ऐसे में सरदार वल्लभ भाई पटेल ने रियासतों के प्रति नीति को स्पष्ट करते हुए कहा कि 'रियासतों को तीन विषयों ङ्क सुरक्षा, विदेश तथा संचार व्यवस्था के आधार पर भारतीय संघ में शामिल किया जाएगा। सरदार पटेल ने आज़ादी के ठीक पूर्व (संक्रमण काल में) ही पी.वी. मेनन के साथ मिलकर कई देसी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। पटेल और मेनन ने देसी राजाओं को बहुत समझाया कि उन्हें स्वायत्तता देना सम्भव नहीं होगा। इसके परिणामस्वरूप तीन को छोडकर शेष सभी रजवाडों ने स्वेच्छा से भारत में विलय का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया।15 अगस्त, 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोड़कर शेष भारतीय रियासतें 'भारत संघ' में सम्मिलित हो गईं. जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब बहुत विरोध हुआ तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और जूनागढ भी भारत में मिल गया. जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की ज़िम्मेदारी उन्हें ही सौंपी गई।

मगर गरीबी है कि हटती ही नहीं गरीबी हटाओ का जुमला

चुनाव आते ही गरीबों के चेहरे कुछ समय के लिए प्रसन्नता से खिल उठते हैं, क्योंकि अंततोगत्वा पांच साल बाद उन्हें याद जरूर कर लिया जाता है। चुनाव के तत्काल बाद ये गरीब राजनीतिक दलों के नेताओं के मानस पटल से हट भी जाते हैं। याद आना अच्छी बात है, पर हैरानी इस बात की भी है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी आखिर गरीबी मिट क्यों नहीं रही..? क्यों राजनीतिक दलों ने 'गरीबी हटाओ' नारे को अपना स्थाई जुमला बना रखा है?

गरीबी तो हटती नहीं, पर साल-दर-साल गरीबों का गरीबी में ही जरूर नामोनिशां मिट जाता है। चुनावी समर चल रहा है। अभी तो इन 'गरीबों' की भी पौ बारह है। नेता रोज ही इनकी पूजा-अर्चना व भरपेट खाना पहुंचाने में व्यस्त चल रहे हैं। चुनाव से निपटते ही इन गरीबों को फिर से इन्हीं के हाल छोड़ दिया जाएगा। कुल मिलाकर मुफ्तखोरी की आदत डालकर इन गरीबों को गरीब ही बनाए रखने और सालों-साल इन पर राज करने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

हाल ही में राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र जारी हुए हैं। जोर-शोर से आगामी पांच साल में गरीबों के भूखे पेट का उपचार करने की बात की जा रही है। इससे ज्यादा तो कुछ होगा भी नहीं। जब साढ़े सात दशक में भी नहीं हो पाया तो अब क्या उम्मीद की जा सकती है। केवल गरीबी हटाने ही नहीं, हर बार लाखों नौकरियां देने के वादे भी किए जाते रहे हैं। ये बात अलग है कि पांच साल बाद भी हालात जस के तस ही रहते हैं और फिर शुरू हो जाता है जुमलों का दौर। इससे भी दु:खद तो ये है कि आजादी के बाद से लोगों को पानी, बिजली, सड़क, उच्च शिक्षा व बेहतर चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं जुटाने के भी वादे किए जाते रहे हैं। इसके उलट आजादी के 77 साल बाद भी देश में ऐसे कई शहर व गांव मिल जाएंगे, जहां डामर की सड़क तो छोड़ो, अभी कच्ची सड़क तक नसीब नहीं हुई है। घटिया सीवरेज व्यवस्था के कारण बरसात के दिनों में शहरों में लोग कई-कई दिनों तक पानी से घिरे घरों में कैद रहते हैं। पीने को पर्याप्त पानी नहीं मिलता। कई गांवों में यातायात के साधन तक नहीं पहुंच पाए हैं। देश की सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहर के लोग जब पेयजल संकट के भयानक हालात से जूझ रहे हैं तो दूरदराज के गांवों की क्या बात करें। हां, पिछले कुछ सालों में सारे देश में हाई-वे जरूर बने हैं। लिंक रोड से लोगों का आवागमन सुगम हुआ है। पर इसमें भी गरीब तो अभी भी गरीब ही है। उसकी गरीबी का निवारण अभी तक भी नहीं हो पा रहा है। इसमें किसी एक राजनीतिक दल को दोष देने से कुछ होना भी नहीं है। देश में आमूलचूल परिवर्तन की जरूरत है। सालों-साल झूठे वादे करने वालों से बचने की जरूरत है। वैसे भी देश में किसी नागरिक को 'गरीब' कहना किसी गाली से कम नहीं है। गरीब का मतलब केवल निर्धन ही नहीं, बल्कि उन्हें जबरन दरिद्र, कंगाल, दीनहीन, बेचारा, लाचार जैसे शब्दों से नवाजना है। ऐसे में वे जरूरतमंद जरूर हो सकते हैं, पर 'गरीब' तो बिल्कुल नहीं। हमें ये मान लेना चाहिए कि अब देश में जब तक आखिरी इंसान तक रोजगार, पर्याप्त पेयजल, बिजली, जरूरी चिकित्सा व शिक्षा के संसाधन नहीं पहुंच जाते, तब तक विकास की बात करना बेमानी होगी। हमें ये याद रखना चाहिए कि विख्यात सर्वोदयी व सामाजिक कार्यकर्ता तथा महात्मा गांधी के अनुयायी बाबा विनोबा जीवनपर्यन्त 'अन्त्योदय' की बात करते थे। 'अन्त्योदय' यानी अंत तक उदय। देश के आखिरी आदमी तक विकास की बात उनके इस ब्रह्मवाक्य में निहित थी। अन्त्योदय आज देश की अहम जरूरत बन गया है। सरकार जब तक इस 'अन्त्योदय' को नहीं अपनाती, तब तक देश को विकसित राष्ट्र नहीं माना जा सकता। देश में अंतरिक्ष विज्ञान, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, कृषि एवं चिकित्सकीय अनुसंधान के साथ-साथ इस समय प्रत्येक इंसान को आर्थिक, शैक्षिक व शारीरिक रूप से सम्पन्न बनाने पर ध्यान देने की जरूरत है। 'भिखारी मुक्त' नारे के साथ ही सक्षम व सम्पन्न देश के नारे पर ध्यान देने की जरूरत है। तभी भविष्य के चुनावों में गरीबी हटाओ और रोजगार व बुनियादी सुविधाएं जुटाने के झूठे वादों से मुक्ति संभव होगी।

चिंतन-मनन

अज्ञान का आवरण

गुरू के पास डंडा था। उस डंडे में विशेषता थी कि उसे जिधर घुमाओ, उधर उस व्यक्ति की सारी खामियां दिखने लग जाएं। गुरू ने शिष्य को डंडा दे दिया। कोई भी आता, शिष्य डंडा उधर कर देता। सब कुरूप-ही-कुरूप सामने दीखते। अब भीतर में कौन कुरूप नहीं है? हर आदमी कुरूप लगता। किसी में प्रोध ज्यादा, किसी में अहंकार ज्यादा, किसी में घृणा का भाव, किसी में ईर्ष्या का भाव, किसी में द्वेष का भाव, किसी में वासना, उत्तेजना। हर आदमी कुरूप लगता। बड़ी मुसीबत, कोई भी अच्छा आदमी नहीं दिख रहा है।

उसने सोचा, गुरूजी को देखूं, कैसे हैं? गुरू को देखा तो वहां भी कुरूपता नजर आई। गुरू के पास गया और बोला कि महाराज! आप में भी यह कमी है। गुरू ने सोचा कि मेरे अस्त्रों का मेरे पर ही प्रयोग! गुरू आखिर गुरू था। उसने कहा कि डंडे को इधर-उधर घुमाते हो, कभी अपनी ओर भी जरा घुमाओ। घुमाकर देखा तो पता चला कि गुरू में तो केवल छेद ही थे, यहां तो बड़े-बड़े गड्ढे हैं। वह बड़े असमंजस में पड़ गया।

कहने का अर्थ यह कि हमारी इन्द्रियों की शक्ति सीमित है। दूर की बात नहीं सुन पाते। भीतर की बात नहीं देख पाते। बहुत अच्छा है, अगर कान की शक्ति बढ़ जाए तो आज की दुनिया में इतना कोलाहल है कि नींद लेने की बात ही समाप्त हो जाएगी। देखने की शक्ति बहुत पारदर्शी बन जाए तो इतने बीभत्स दृश्य हमारे सामने आएंगे कि फिर आदमी का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। कुरूपता तो चेतना के भीतर होती है। प्रकृति की विशेषता है कि हमारा अज्ञान का आवरण टूट नहीं पा रहा है।

सक्सेस मंत्र: मुश्किल समय में भी न भूलें अपना मूल्य, बदलेगा वक्त

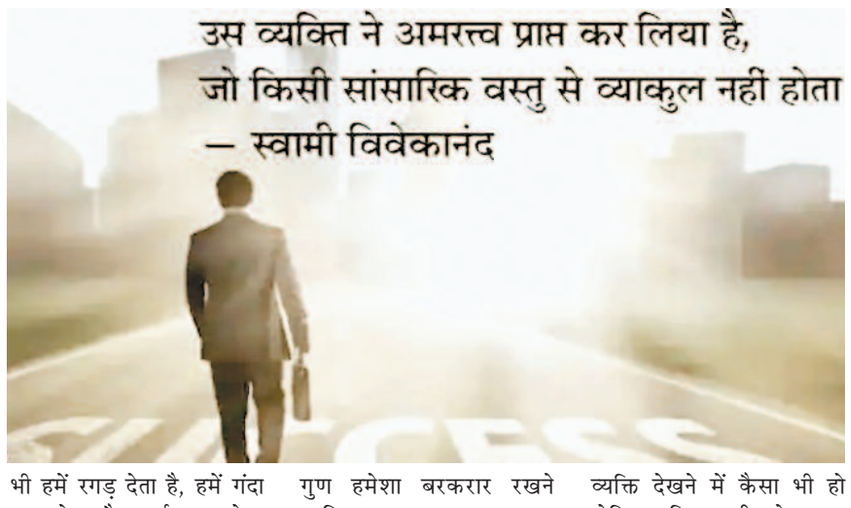

एक बार एक सभा को संबोधित करने के लिए देश के एक महान विद्वान को बुलाया गया। विद्वान ने हाथ में 100 रुपए का नोट ऊपर उठाते हुए सभा की शुरुआत की। विद्वान की चर्चा आस-पास के इलाके में इतनी ज्यादा थी कि उन्हें सुनने के लिए सैकड़ों लोग इकट्ठा हुए थे।

विद्वान ने अपना हाथ ऊपर करते हुए पूछा कि इस नोट को कौन पाना चाहेगा? इस पर वहां मौजूद सभी लोगों ने अपने हाथ उठा दिए। इस पर विद्वान ने कहा कि यह नोट किसी एक आदमी को मिलेगा इस नोट को मुझे पहले रगड़ लेने दो। उन्होंने अब नोट को अपने हाथों से तोड़-मरोड़ डाला और हाथ से ऊपर उठाकर पूछा अब इस नोट को कौन लेगा? इसके बाद भी सभा में मौजूद सभी लोगों ने नोट को लेने के लिए हाथ उठा दिए।

इस पर विद्वान ने कहा कि अच्छा, तो मुझे ऐसा भी करने दो। और उन्होंने नोट को जमीन में गिराकर अपने जूतों से रगड़ दिया। नोट अब पूरी तरह से गंदा हो चुका था। विद्वान ने फिर हाथ में लिया और पूछा कि अब इसे कौन लेना चाहेगा? अब इस सब के बाद भी सभी लोगों ने नोट को पाने के लिए हाथ उठा दिए।

अब विद्वान ने कहा, मेरे दोस्तों, मैं आपको महत्वपूर्ण बात बताना चाहता था। भले ही मैंने इस नोट के साथ अच्छा न किया हो लेकिन इससे आप लोगों को एक सबक जरूर मिला। आप नोट को इसलिए लेना चाहते हैं कि रगड़ने से इसकी कीमत कम नहीं हुई। यह अभी भी 100 रुपए का नोट है। ऐसे ही कई बार जीवन भी हमें रगड़ देता है, हमें गंदा बना देता है। कई बार ऐसा समय लगता है कि हमारी कोई कीमत नहीं है। लेकिन हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि जाहे जितनी भी बुरी परिस्थिति आ जाए पर हमें अपना मूल्य यानी गुण हमेशा बरकरार रखने चाहिए।

इसी प्रकार से जैसे-जैसे वक्त गुजरेगा वैसे ही परिस्थितियां भी बदलेंगी। आप इस बात को कभी न भूलो कि आप दुनिया में एक स्पेशल इंसान हो। व्यक्ति देखने में कैसा भी हो लेकिन दुनिया उसी को अपना संबंध रखना चाहती जिसके पास कोई गुण हो। यानी जो जितना मूल्यवान होता है उसकी उतनी हर जगह जरूरत होती है। - यही इस कहानी का सार है।

मप्र के सीएम डॉ मोहन यादव बोले- कांग्रेस के बांटने के षड्यंत्र का प्रधानमंत्री मोदी ने किया पर्दाफाश

मीडिया से बातचीत में डॉ मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जैसा बयान दिया है, मैं उसकी निंदा करता हूं।

भोपाल | मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि विपक्ष एक के बाद एक नादानियां करते जा रहा है। कांग्रेस के बांटने के षड्यंत्र का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर्दाफाश किया है।

मीडिया से बातचीत में डॉ मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जैसा बयान दिया है, मैं उसकी निंदा करता हूं। उन्होंने सैम पित्रोदा ने अमेरिका के कानून का उदाहरण देकर कहा कि विरासत का ये कानून भारत में लगना चाहिए।

सीएम डॉ मोहन यादव के अनुसार कांग्रेस ने ये कहकर बचने का प्रयास किया कि ये उनका व्यक्तिगत बयान है। लेकिन देश जानता है, निश्चित तौर पर इसकी कीमत कांग्रेस को चुकानी होगी।

मतदाता परिचय पत्र के अलावा 12 दस्तावेजों में किसी एक से कर सकते हैं मतदान

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि सभी मतदाताओं को क्यूआर कोड वाली मतदाता पर्ची वितरित की जा चुकी है।

भोपाल | मतदाता पर्ची नहीं मिली है या मतदाता परिचय पत्र नहीं है तो भी मतदान करने में कोई बाधा नहीं है। केवल आपके पास फोटोयुक्त 12 दस्तावेजों में से एक होना चाहिए, जो लगभग सभी के पास होते ही हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि सभी मतदाताओं को क्यूआर कोड वाली मतदाता पर्ची वितरित की जा चुकी है।

इसके बाद भी यदि किसी को यह नहीं मिली है तो प्रत्येक मतदान केंद्र पर बूथ लेवल आफिसर उपलब्ध रहेंगे। वे मतदाता सूची में नाम देखकर तत्काल पर्ची बना देंगे। मतदाता परिचय पत्र यदि नहीं है तो 12 अन्य दस्तावेज हैं, जिन्हें दिखाकर मतदान किया जा सकता है।

इसमें फोटोयुक्त वोटर आइडी कार्ड, आधार कार्ड, पेन कार्ड, दिव्यांग यूनिक आइडी कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मनरेगा जाब कार्ड, पेंशन दस्तावेज (फोटो सहित), पासपोर्ट, पासबुक (फोटो सहित बैंक/डाकघर द्वारा जारी), फोटोयुक्त सर्विस पहचान पत्र (केंद्र/राज्य सरकार/सार्वजनिक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा जारी), सांसद, विधायक और विधान परिषद सदस्यों को जारी आधिकारिक पहचान पत्र, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआइ द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड और स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड (श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी) शामिल हैं।

मप्र की 6 लोकसभा सीटों के लिए मतदान आज, ईवीएम में कैद होगा 80 उम्मीदवारों का भविष्य

पहले चरण के चुनाव में हुए कम मतदान को देखते हुए चुनाव आयोग, भाजपा और कांग्रेस ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के प्रयास किए हैं।

भोपाल | मध्य प्रदेश की छह लोकसभा सीटों के लिए शुक्रवार को मतदान होगा। इसमें 80 उम्मीदवारों को सियासी भविष्य ईवीएम में कैद होगा। यहां पिछले लोकसभा चुनाव में औसत मतदान 67.75 प्रतिशत रहा था।

2019 में सभी छह सीटें (टीकमगढ़, दमोह, खजुराहो, सतना, रीवा और होशंगाबाद) भाजपा ने जीती थीं। पहले चरण के चुनाव में हुए कम मतदान को देखते हुए चुनाव आयोग, भाजपा और कांग्रेस ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के प्रयास किए हैं।

दूसरे चरण के चुनाव में शामिल सीटों में 2014 की तुलना में 2019 में मत प्रतिशत में सर्वाधिक 16.92 प्रतिशत वृद्धि खजुराहो लोकसभा सीट पर हुई थी। इसके बाद टीकमगढ़ में 16.42, दमोह में 10.52, होशंगाबाद में 8.41, सतना में 8.3 और रीवा में 6.65 प्रतिशत मतदान अधिक रहा था।

पहले चरण में हुए कम मतदान से गड़बड़ाए राज्य के औसत मतदान में सुधार के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने बूथ लेवल आफिसरों को घर-घर भेजा तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर भाजपा के सभी नेताओं ने मतदाताओं से अपने मताधिकार उपयोग अवश्य करने की अपील भी की है। इस चरण में एक करोड़ 11 लाख 62 हजार 460 मतदाता हैं। शेष मतदाताओं को भी पर्ची उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन, भोपाल द्वारा निरीक्षण जारी

8 प्रमुख दुग्ध विक्रेता प्रतिष्ठानों से पनीर, मावा, दही तथा दूध के नमूने भी लिये गये

भोपाल | आमजन को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने तथा स्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य सामग्री का निर्माण, विक्रय एवं संग्रहण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से भोपाल के मुख्य व्यवसायिक क्षेत्रों, मार्केटों, चौपाटी पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन, भोपाल द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है। इसके साथ - साथ नगर के 8 प्रमुख दुग्ध विक्रेता प्रतिष्ठानों से पनीर, मावा, दही तथा दूध के नमूने भी लिये गये।

गुरुवार को शहर के मुख्य रेस्टोरेंट जिसमें सागर गैरे रेस्टोरेंट 07 नम्बर मार्केट शिवाजी नगर, शर्माजी विष्णु रेस्टोरेंट 07 नम्बर मार्केट शिवाजी नगर एवं प्लेटिनम प्लाजा, हकीम होटल बिट्टन मार्केट अरेरा कालोनी, जम-जम रेस्टोरेंट हमीदिया रोड एवं हबीबी पैलेस रेस्टोरेंट मोती मस्जिद भोपाल का निरीक्षण कर भोजन तैयार करने हेतु उपलब्ध विभिन्न खाद्य सामग्री एवं तैयार भोजन के नमूने भी लिये गये।

सिस्टेक रातीबढ़ में हुआ कौन बनेगा वोटर नंबर वन

युवा मतदाताओं को जागरूक करने उनमें मतदान के प्रति रुझान पैदा करने और भोपाल मे वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन भोपाल द्वारा SVEEP के अन्तर्गत भोपाल के महाविद्यालयों 'कौन बनेगा वोटर नम्बर वन' मल्टीमीडिया क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

भोपाल | सिस्टेक रातीबढ़ के सभागार में स्टूडेंट्स एवं प्राध्यापकों के मध्य मल्टीमीडिया क्विज आयोजित की गई। छात्र - छात्राओं के साथ- साथ प्राध्यापको का जोश मतदान के प्रति उत्साह को प्रदर्शित कर रहा था। हॉट सीट पर बैठे बच्चे बड़ी आतुरता से प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। वहीं दर्शको के लिए राउंड में दर्शक दीर्घा में बैठे बच्चे और प्राध्यापक सही जवाब दे अपना नाम लकी ड्रॉ के लिए पक्का कर रहे थे। अब बताओ तो जानें चैलेंज राउंड में बच्चों के साथ शिक्षकों ने भी चैलेंज स्वीकार कर बिना प्रश्न देखे जवाब दिए। 2 घंटे चली इस रोचक प्रतियोगिता से छात्राओं ने मतदान के महत्व और चुनावी प्रक्रिया संबंधी जानकारी प्राप्त की अंत में संस्थान के प्रथम वोटर्स के साथ सभी को मतदान की शपथ दिला सभी को वोट देने जाने का आव्हान किया ।

संस्थान के प्राचार्य एवं सभी स्टाफ की उपस्थिति में खेली गई। क्विज मे टॉप 10 बच्चों का चयन किया गया जो मेगा राउंड में खेलेंगे। क्विज का संचालन श्री रविकान्त ठाकुर, स्वीप समन्वयक एवं श्री मोहन मालवीय, भोपाल ने किया।

लोकसभा निर्वाचन - 2024 अंतर्गत 9232 मतदान कर्मी प्राप्त करेंगे द्वितीय प्रशिक्षण

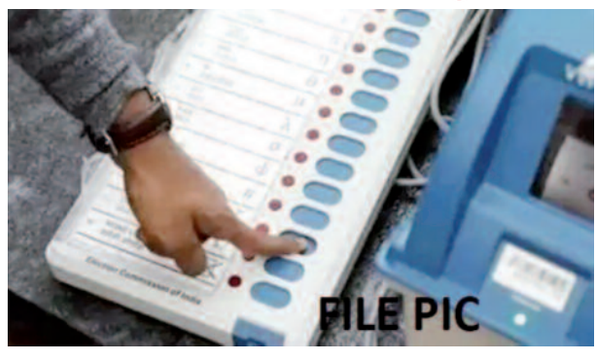

भोपाल | लोकसभा निर्वाचन - 2024 अंतर्गत मतदान दल का द्वितीय प्रशिक्षण गुरुवार, 25 अप्रैल से 30 अप्रैल तक भोपाल शहर के 07 प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रातः 09:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक दिया जाएगा। प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए लगभग 80 मास्टर ट्रेनर सैद्धांतिक एवं ई.व्ही.एम. नियुक्त किये गये है।

लोकसभा निर्वाचन - 2024 सुचारू रूप सम्पन्न कराये जाने के लिए द्वितीय प्रशिक्षण में मतदान दल के सभी सदस्य पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्र. 01, 02, 03 को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण मौलाना आजाद प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल, मॉडल हायर सेकेण्डरी स्कूल, रवीन्द्र भवन पुराना सभाग्रह, संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई.टी.आई.) गोविंदपुरा भोपाल, सभागार राज्य पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान, वैशाली नगर-भोपाल एवं समन्वय भवन (अपेक्स बैंक), टी.टी नगर भोपाल केन्द्रों में आयोजित हैं।

सहायक नोडल अधिकारी श्री संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि प्रशिक्षण की प्रथम उपस्थिति प्रातः 09:00 बजे से 09:30 बजे तक,ई.डी.सी. संबंधित कार्यवाही प्रातः 09:30 बजे से 10:00 बजे तक, सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक, ब्रेक दोपहर 01:00 बजे से दोपहर 01:15 तक, 50-50 के बैच ई.व्ही. एम./VVPAT का प्रशिक्षण दोपहर 01:15 से सायं 03:00 बजे तक, परीक्षा सायं 03:00 से 03:30 तक, ई.डी.सी. का शेष कार्य सायं 03:30 से 04:00 तक द्वितीय उपस्थिति सायं 04:00 बजे से होगा।

सहायक नोडल अधिकारी श्री श्रीवास्तव ने बताया कि 25 अप्रैल 2024 को 07 प्रशिक्षण केन्द्रों पर कुल आवंटित पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्र. 01, 02, 03- 1676 में से 1649 उपस्थित रहे, 27 अधिकारी, कर्मचारी अनुपस्थित रहे एवं 14 अतिरिक्त कर्मचारी द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। प्रशिक्षण पश्चात सायं 03:00 बजे से परीक्षा आयोजित की गई परीक्षा में अनुर्तीण अधिकारी, कर्मचारियों को पुनः परीक्षा देनी होगी एवं अनुपस्थित कर्मचारियों के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। अनुपस्थित कर्मचारी आगामी दिवसों में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे।

बाइक देने से मना करने पर बदमाशों ने दो युवकों पर चाकू से किया हमला

फूटी बावड़ी क्षेत्र में रास्ते में घेरकर किया हमला। पुलिस ने हत्या के प्रयास की धाराओं में दर्ज किया प्रकरण। घायलों का अस्पताल में चल रहा उपचार।

भोपाल | ऐशबाग के फूटी बावड़ी क्षेत्र में बाइक देने से मना करने पर चार बदमाशों ने दो लोगों पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। बाद में घायल की शिकायत पर आरोपितों पर हत्या के प्रयास की धाराओं में एफआइआर दर्ज की गई। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है।

यह है मामला - पुलिस के मुताबिक फिरोज खान (18) ऐशबाग में रहता है। बुधवार दोपहर वह अपने दोस्त रवि कुशवाहा के साथ फूटी बावड़ी के पास चाय की गुमठी पर चाय पी रहा था। वहां पर उसी मोहल्ले के रहने वाले निखिल ने रवि से बाइक मांगी तो उसने मना कर दिया। बाद में नाराज होकर निखिल, अमन, जल्ला वायरस और अरबाज नाडा ने रवि और उसके दोस्त फिरोज को रास्ते में रोक लिया। इतना ही नहीं, आरोपितों ने दोनों के साथ जमकर मारपीट कर चाकू से हमला कर दिया और फरार हो गए। हमले के बाद घायल युवकों को आसपास के लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया। साथ ही पुलिस अस्पताल की सूचना पर पहुंची और घायल फिरोज के बयानों के आधार पर आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज किया। जांच में सामने आया कि आरोपित नशा करने के आदी हैं। पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी है।

पिपलानी में युवक को मारा चाकू - इधर, पिपलानी इलाके में भी चाकूबाजी की घटना हो गई। पुलिस के मुताबिक राहुल कोली 100 क्वार्टर में रहता है। बुधवार शाम करीब छह बजे उसकी आरोपित बाबू जल्लाद से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। गाली-गलौच के बाद उनमें मारपीट शुरू हो गई। इतना ही नहीं बदमाश बाबू जल्लाद ने राहुल पर चाकू से हमला कर दिया और फरार हो गया। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी है।

रुपये लेन-देन के विवाद में युवक को बेहरमी से पीटा, सिर फोड़ा

आरोपित पक्ष ने पीड़ित को 11000 रुपये उधार दिए, जिसे लौटाने में वह आनाकानी कर रहा था। छोला मंदिर इलाके की घटना।

भोपाल | छोला मंदिर थाना इलाके में रुपयों की उधारी वसूलने के लिए एक युवक को लोहे के पाइप से बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस ने मामले पर संज्ञान लेते हुए दोनों पक्षों को थाने बुलाया। आरोपित पक्ष के खिलाफ कार्रवाई की है। हालांकि थाने पहुंचने के बाद पीड़ित युवक ने स्वीकार किया कि उसका नशे की हालत में झगड़ा हुआ था। उसे सिर में चोट कैसे लगी, इस बात का पता नहीं है।

गुरुवार सुबह इंटरनेट मीडिया पर एक युवक का वीडियो प्रसारित हुआ। वीडियो में कपिल नाम का युवक सिर में लगी चोट दिखाते हुए बोल रहा है कि बुधवार को वह शंकर नगर में घूम रहा था, तभी ढोल बजाने का काम करने वाले बंटी नाम के व्यक्ति ने उधारी के 11 हजार रुपये वापस मांगे। उसने जब रुपये अभी नहीं होने की बात कही, तो बंटी और उसके साथियों ने मारपीट शुरू कर दी। सिर में लोहे का पाइप लगने से उसके सिर से खून बहने लगा था। वह किसी तरह उनके चंगुल से छूटकर जान बचा पाया।

पीड़ित के पिता भी थाने पहुंचे - वीडियो वायरल होने के बाद गुरुवार को सुबह पुलिस ने पीड़ित कपिल को ढूंढ निकाला। पूछताछ के दौरान कपिल के पिता भी थाने पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस मामले में उसके बेटे की गलती है। वह शराब के नशे में खुद झगड़ा करने पहुंचा था। इस बारे में जब कपिल से बात की गई, तो उसने भी अपनी गलती स्वीकार की। साथ ही बोला कि उसके सिर में किस वस्तु से चोट लगी, उसे पता नहीं है।

दोनों पक्ष एक समुदाय के - इस मामले में छोला मंदिर थाना प्रभारी सुरेशचंद्र नागर ने बताया कि कपिल का मेडिकल कराया गया है। उसकी शिकायत के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। दोनों ही पक्ष नट समुदाय के हैं, और ढोल बजाने का काम करते हैं।

बैरागढ़ में पुराने बस स्टैंड से पैदल निकलना मुश्किल, पेड पार्किंग बनाने के प्रस्ताव पर अमल नहीं

बंद हो चुके बस स्टैंड के आसपास अतिक्रमण भी नहीं हटा। पार्किंग के अभाव में अव्यवस्था फैल रही है। बस स्टैंड के चारों तरफ सड़क पर चाय, नाश्ते के ठेले एवं काउंटर रख दिए गए हैं। इनके आसपास दिनभर भीड़ लगी रहती है।

भोपाल | संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) के पुराने बस स्टैंड को व्यवस्थित कर यहां पेड पार्किंग बनाने के प्रस्ताव पर अमल नहीं हो पा रहा है। कुछ हिस्से पर अतिक्रमण के कारण आवाजाही प्रभावित हो रही है। मप्र राज्य सड़क परिवहन निगम का अस्तित्व समाप्त होते ही बैरागढ़ के बरसों पुराने बस स्टैंड को नगर निगम ने अधिग्रहित कर लिया। धीरे-धीरे नगर निगम ने ही यहां दुकानों का निर्माण करा लिया। कुछ हिस्से में अतिक्रमण हो गया। दुकानों का निर्माण कराते समय यहां पार्किंग विकसित करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन इस पर अभी तक अमल नहीं हुआ है।

देता था धमकी - पार्किंग के अभाव में यहां अव्यवस्था फैल रही है। खाली जगह पर वाहन पार्क कर लोग बाजार चले जाते हैं इससे दूसरे वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती है। बस स्टैंड के चारों तरफ सड़क पर चाय, नाश्ते के ठेले एवं काउंटर रख दिए गए हैं। इनके आसपास दिनभर भीड़ लगी रहती है। इससे वाहन चालकों को दोहरी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कुछ हिस्से पर मैकेनिकों एवं सर्विस स्टेशन वालों ने कब्जा कर रखा है।

जोन की बैठक में हुई थी चर्चा - कपड़ा व्यापारी संघ के आग्रह पर पिछले दिनों पुलिस ने सड़क घेरकर बैठे मैकेनिकों को सख्ती से हटा दिया था, पर फिर से वही स्थिति निर्मित हो गई है। हाल ही नगर निगम जोन समिति की बैठक में भी इस विषय पर चर्चा हुई थी। पार्षदों ने जरूरी अतिक्रमण हटाने का प्रस्ताव रखा था पर अभी तक इस पर भी अमल नहीं हुआ है। कपड़ा व्यापारी संघ के पूर्व अध्यक्ष वासुदेव वाधवानी का कहना है कि दुकानों के सामने के अतिक्रमण हटाए जाने चाहिए। पार्षद अशोक मारण कहते हैं कि इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की जाएगी।

हम सब ने यह ठाना है, भोपाल को नंबर वन बनाना है

भोपाल | युवा मतदाताओं को जागरूक करने उनमें मतदान के प्रति रुझान पैदा करने और भोपाल मे वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन भोपाल द्वारा SVEEP के अन्तर्गत भोपाल के महाविद्यालयों 'कौन बनेगा वोटर नम्बर वन' मल्टीमीडिया क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है ।

इसी क्रम में मित्तल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूटस नवीबाग करोंद भोपाल के सभागार में स्टूडेंट्स एवं प्राध्यापकों के मध्य मल्टीमीडिया क्विज आयोजित की गई। छात्राओ के साथ - साथ प्राध्यापको का जोश मतदान के प्रति उत्साह को प्रदर्शित कर रहा था। हॉट सीट पर बैठे बच्चे बड़ी आतुरता से प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। वहीं दर्शको के लिए राउंड दर्शक दीर्घा में बैठे बच्चे और प्राध्यापक दे अपना नाम लकी ड्रॉ के लिए पक्का कर रहे थे। जो बोला वही धुरंधर चैलेंज राउंड में बच्चों के साथ शिक्षकों ने भी चैलेंज स्वीकार कर बिना प्रश्न देखे जवाब देने खड़े हो गए। 2 घंटे चली इस रोचक प्रतियोगिता से छात्राओं ने मतदान के महत्व और चुनावी प्रक्रिया संबंधी जानकारी प्राप्त की अंत में संस्थान के रजिस्ट्रार कर्नल एफ. बी. अलावली ने सभी को मतदान की शपथ दिला सभी को वोट देने जाने का आव्हान किया। संस्थान के प्राचार्य एवं सभी स्टाफ की उपस्थिति में खेली गई क्विज मे टॉप 10 बच्चों का चयन किया गया जो मेगा राउंड में खेलेंगे।

मध्य प्रदेश में विफल हो गई फूड एटीएम से राशन वितरण की योजना

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की एक दुकान पर लगी मशीन भी देखरेख के अभाव में हो गई बंद।

भोपाल | मध्य प्रदेश में शासकीय उचित मूल्य की दुकानों पर हितग्राहियों को सही मात्रा में राशन वितरण कराने के लिए फूड एटीएम योजना शुरू की गई थी। इसकी शुरुआत भोपाल के ऐशबाग स्थित उचित मूल्य की दुकान में फूड एटीएम लगाकर हुई थी। यहां से कुछ दिन वितरण भी हुआ, लेकिन बाद में देखरेख के अभाव में मशीन बंद हो गई। इसे अन्य जगह स्थापित ही नहीं किया जा सका। नतीजतन राशन वितरण के दौरान होने वाली खाद्यान्न चोरी, कमी, मिलावट आदि गड़बड़ियों को रोकने के लिए बनी फूड एटीएम योजना विफल हो गई।

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुना गया था

एटीएम से राशन वितरण के पायलट प्रोजेक्ट के लिए भोपाल जिले को चुना गया था। इसके सफल होते ही अन्य जिलों में मशीन लगाई जानी थी। फूड एटीएम से राशन वितरण प्रक्रिया को समझने के लिए खाद्य विभाग का एक दल उत्तराखंड भी गया था। वहां एटीएम लगाने वाली कंपनी और खाद्य अधिकारियों से चर्चा की थी। कंपनी और सरकार के बीच मशीनों को लगाने पर सहमति भी बनी थी, लेकिन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी।

यहां लगने थे फूड एटीएम

फूड एटीएम इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रीवा, सागर, उज्जैन सहित अन्य जिलों में लगाने की योजना थी।

बड़ी जगह और संचालन से घबरा रहे दुकानदार - ऐशबाग की राशन दुकान में मशीन को जमीन पर रख दिया गया है। इस मशीन के लिए प्लेटफार्म बनाना होगा ताकि अनाज हितग्राही के बैग में आ जाए। अभी मशीन से तुला हुआ अनाज एक बर्तन में गिरता है, जिसे हितग्राही को स्वयं अपने बैग में भरना पड़ता है। बड़ी जगह घेरने और संचालन प्रक्रिया कठिन होने की वजह से दुकानदार इसे लेने से घबरा रहे हैं।

फैक्ट फाइल

- 10 लाख रुपये है एक मशीन की कीमत
- एक-एक क्विंटल गेहूं-चावल दो स्लाट में निकालने की क्षमता
- प्रदेश में हैं पांच करोड़ 35 लाख से अधिक पात्र हितग्राही
- प्रदेश में हैं 22 हजार 396 शासकीय उचित मूल्य की दुकानें

प्रक्रिया भोपाल से शुरू की गई थी। ट्रायल के बाद कुछ सुधार करवाना है। सुधार होते ही मशीन को अन्य जिलों में लगाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।
- रवींद्र सिंह, आयुक्त, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग।

संक्षिप्त समाचार

10वीं कक्षा में 85 अंक लाने पर छात्रा कुमारी प्रीति ठाकुर का संस्था द्वारा सम्मान किया गया

बैतूल/सारनी। शासकीय कन्या हायर सेकंडरी स्कूल पाथाखेड़ा में बुधवार शाम 4 बजे कक्षा दसवीं के परिणाम घोषित हुए जिसमे ग्राम भारती परिवार में कार्यरत राजकुमार ठाकुर कि बिटिया कुमारी प्रीति ठाकुर ने 500 में से 426 सभी विषयों में विशेष योग्यता अंक प्राप्त करके अपने माता पिता का नाम रोशन किया।और इस सफलता का श्रेय अपनी मां रासमनी और पिता राजकुमार ठाकुर को देते हुए कहा कि पढ़ाई के दौरान उन्होंने उसका खूब मनोबल बढ़ाया। प्रीति ने बताया की वह आगे जाकर डॉक्टर बनना चाहती है। प्रीति के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए ग्राम भारती महिला मंडल परिवार द्वारा उन्हें पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर संस्था अध्यक्ष भारती अग्रवाल जी ने अपने शब्दो में कहा कि बेटियां वर्तमान समय में उच्च शिक्षा प्राप्त कर उच्च पदों पर आसीन है। बेटी पढ़ेगी, तभी तो आगे बढ़ेगी और वह अपने कुल का नाम रोशन करेगी।

सीएम राइज का 10वीं 12वीं का सप्रतिशत रिजल्ट रहा

पिपरिया। सीएम राइज आरएनए उत्कृष्ट विद्यालय का रिजल्ट 10वीं मे 70प्रतिशत व 12वीं में 68.3 प्रतिशत रहा। सीएम राइज स्कूल प्राचार्य संजीव दुबे ने बताया कि 10वीं में अमित 445 अंक से 89 प्रतिशत के साथ शाला में प्रथम रहा। वही 12वीं में गणित संकाय में पीयूष शुक्ला 82 प्रतिशत,बायो में कुणाल 87.4 प्रतिशत,कामर्स में शिवम 82.2 प्रतिशत,कला में दीक्षा 81.6 प्रतिशत के साथ अपने अपने संकाय में प्रथम स्थान पर रहे है।

मंडी में चार दिन नीलामी कार्य बंद रहेगा : कृषि उपजमंडी में

पिपरिया। 4 दिन नीलामी कार्य बंद रहेगा। मंडी सचिव राघवेन्द्र राठौड ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन चुनाव में कर्मचारियों की ड्यूटी लगने के कारण 25 अप्रेल से 28 अप्रेल रविवार तक मंडी में नीलामी कार्य बंद रहेगा। मंडी सचिव ने किसानो से अपील की है कि अपनी कृषि उपज विक्रय हेतु ना लावे।

शांति व्यवस्था बनाये रखने पुलिस ने किया पैदल भ्रमण

पिपरिया। लोकसभा को देखते हुए मटकुली में शांति व्यवस्था बनाये रखने पुलिस टीम ने पैदल भ्रमण किया। मटकुली चौकी के अंतर्गत शांति व्यवस्था बनाये रखने एवं शांतिपूर्ण मतदान करने हेतु स्टेशन रोड टीआई विजय सनस के नेतृत्व में मटकुली ग्राम के मेन बाजार माता मौहल्ला ,मेंदीखेडा रोड आदि क्षेत्रो में पैदल भ्रमण किया।

मतदाता जागरूकता अभियान चलाया

पिपरिया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् पिपरिया के कार्यकर्ताओं ने शत् प्रतिशत मतदान जागरूकता अभियान चलाया गया। परिषद् के कार्यकर्ताओं द्वारा चौराहों,दुकान,गलियों एवं सडकों पर मतदाताओं के बीच जाकर राष्ट्रहित में शत-प्रतिशत मतदान के लिए आव्हान किया गया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रूपेन्द्र साहू ने बताया कि यह चुनाव देश की दिशा निर्धारित करने वाला चुनाव है और भारत की दिशा सदैव ही विकसित मार्ग पर अग्रसर हो इस हेतु हमारा मतदान राष्ट्रहित में जाएं, आज वैश्विक स्तर तक भारत का बढ़ता मान सम्मान रुकने ना पाए, इसलिए राष्ट्रहित में शत् प्रतिशत मतदान आज आवश्यक है।

छात्रा आयुषी सिहं ने 88.6 अंक प्राप्त कर अव्वल स्थान प्राप्त किया

बैतूल/सारनी। कक्षा दसवीं एवं बारहवीं घोषित के परीक्षा परिणाम शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक शाला सारनी में कक्षा दसवीं में 52 तो कक्षा बारहवी मे 56 प्रतिशत परिणाम रहा।

हजारो क्विंटल गेंहू परिवहन हेतु खुले आसमान तले पड़ा

पिछले वर्ष की अपेक्षा खरीदी एक चौथाई से कम

पिपरिया। समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीदी पिछले वर्ष की अपेक्षा पिपरिया तहसील में चौथाई हिस्से से भी कम हुई है वही परिवहन लेट हो रहा है तो रिजेक्ट की मात्रा कम होने का नाम नही ले रही है। समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीदी पिछले वर्ष 26 मई तक 17 केन्द्रों पर 3215 किसानो से 3 लाख 64 हजार 978 क्विंटल हुई थी जबकि इस वर्ष 14 केन्द्रों पर 774 किसानो से 24 अप्रेल तक 82 हजार 707 क्विंटल ही खरीदी हो पाई है जो कि पिछले वर्ष की अपेक्षा एक चौथाई से भी कम है। समर्थन मूल्य पर गेंहू बेचने इस वर्ष 3227 किसानो ने पंजीयन कराया है।

एफएक्यू गेंहू खरीदने के शासन के निर्देश होने के बाद भी हजारो क्विंटल गेंहू नान एफएक्यू होने पर रिजेक्ट हुआ। एसडीएम संतोष तिवारी ने कहा कि हमारे द्वारा शुरू से ही प्रतिदिन होने वाली उपार्जन समिति की बैठक में एफएक्यू गेंहू ही खरीदे जाने के निर्देश दिये थे। फुड इंस्पेक्टर मनोज शुक्ला ने बताया कि परिवहन को लेकर सहकारी समिति के प्रबंधको को निर्देश दिये गये है कि शीघ्र परिवहन करवाये।

खरीदी की गति धीमी- पिछले वर्ष की अपेक्षा खरीदी का आंकडा देखा जावे तो खरीदी की गति धीमी है जिसके पीछे बीच बीच में बारिस की स्थितियां है तो मैदानी स्तर व गोदाम परिसर स्तर के केन्द्र होने से भी सहकारी समितियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई किसान केन्द्रों पर पहुंचने के बाद खरीदी में लेट होने पर अपना गेंहू उठाकर ले गये।

परिवहन में हो रही लेट लतीफी- परिवहन को लेकर कलेक्टर के निर्देश पर उपार्जन की समीक्षा बैठक के पश्चात गोदाम स्तरीय उपार्जन केन्द्रों से एफएक्यू मानक गेंहू को 50 प्रतिशत एफसीआई को व 50 प्रतिशत गेंहू को गोदाम स्तरीय उपार्जन केन्द्रों में भंडारित करने के निर्देश दिये गये है परंतु पूर्व में एफसीआई द्वारा परिवहन को लेकर वाहन न उपलब्ध होने के कारण या परिवहन में लेट लतीफी के कारण हजारो क्विंटल गेंहू खुले आसमान तले पडा रहा जिससे बारिस के दौरान गेंहू गीला हुआ।सहकारी समिति देवगांव पिपरिया का केन्द्र मंडी में 2 हजार 73 क्विंटल गेंहू परिवहन हेतु शेष है जबकि मंडी प्रांगण पक्का बना हुआ है ऐसे स्थानो से परिवहन में लेट लतीफी क्यों हुई यह जांच का विषय है।

रिजेक्ट की स्थिति- गेंहू खरीदी 82 हजार 707 क्विंटल में एफसी आई द्वारा रिजेक्ट किया गया गेंहू 9 हजार 896 क्विंटल है जो कि खरीदी के आंकड़े से 10 प्रतिशत से भी अधिक है। खरीदी के दौरान सहकारी समिति प्रबंधको ने एफएक्यू गेंहू क्यों नही खरीदा वही जिला उपार्जन समिति ने गेंहू की गुणवत्ता पर जांच के दौरान क्यों ध्यान नही दिया।

साफ कराने में सहकारी समितियों को लगेगा घाटा- समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीदी सहकारी समितियां कमीशन के आधार पर करती है वही मजदूरी भी निर्धारित है इसके बाद रिजेक्ट हुए गेंहू के शुरू से आंकड़े देखे जावे तो इस गेंहू की साफ सफाई कराने में सहकारी समितियों का भारी खर्च उठाना पड़ेगा वही मजदूरी के रूप में तुलाई से लेकर स्टेक लगाने तक के खर्चो के आंकड़े शासन से मिलने वाली मजदूरी के आंकड़ो से बहुत कम है। ऐसी स्थिति में सहकारी समितियां घाटे में पहुंचेगी।

मंडी में अनाज के भाव में आया उछाल: कृषि उपजमंडी में अनाज के भाव में भारी उछाल आने से आवक भी बढी है जो पिछले वर्ष से 2 लाख 18 हजार 276 क्विंटल अधिक है। कृषि उपज मंडी में बुधवार को 34 हजार 430 क्विंटल की आवक रही। 1 अप्रेल से 24 अप्रेल तक 4 लाख 96 हजार 104 क्विंटल आवक हुई जबकि पिछले वर्ष 24 अप्रेल तक 2 लाख 77 हजार 828 क्विंटल की आवक थी। आवक को देखते हुए मंडी सचिव राघवेन्द्र राठौड ने बताया कि शेडो पर व बाहर प्रांगण में नीलामी कर्मचारियों के अलावा कार्यालय कर्मचारियों को भी लगाया गया। भाव की स्थिति- मंडी में तुअर के भाव में भारी तेजी आई है तुअर 11हजार 601 रूपये तक बिकी जबकि पिछले वर्ष 8 हजार 501 रूपये तक थी 3100 रूपये की तेजी रही।इसी प्रकार चने के भाव में भी तेजी का रूख बना हुआ है चना 6 हजार 150 रूपये तक बिका पिछले वर्ष चना 4 हजार 988 रूपये तक बिका था चने में 1162 रूपये तक की तेजी रही। मूंग के भाव में तेजी का दौर चल रहा है मूंग 8 हजार 361 रूपये तक बिकी पिछले वर्ष मूंग 7 हजार 570 रूपये तक बिकी थी मूंग में

प्रधानमंत्री के भोपाल आने से जनता का उत्साह दोगुना हुआ जनसंपर्क के दौरान आलोक शर्मा का किया भव्य स्वागत

भोपाल। बीते रोज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के भोपाल में भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा के पक्ष में किए गए विशाल रोड शो का असर जनता में साफ दिखाई दे रहा है। जनता में मोदी और भाजपा के प्रति उत्साह का माहौल दोगुना हो गया है। खास बात है कि इस बात की चर्चा आस-पास के गांवों में भी है। मंगलवार को जब भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा बैरसिया विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क करने पहुंचे तो ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया और पीएम के रोड शो की चर्चा भी की। ग्रामीणों का कहना था कि भोपाल में मोदी जी का रोड शो ऐतिहासिक था। अपने लोकप्रिय नेता के लिए इससे पहले संसदीय क्षेत्र में कभी ऐसा उत्साह नहीं देखा गया। पीएम के दौरे ने कार्यकर्ताओं में भी चुनावी जोश भर दिया है। प्रत्याशी आलोक शर्मा ने ग्रामीणों को अपने संबोधन में कहा कि पूरे देश में मोदी जी की गारंटी की धूम है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश भर में विकास के अनेकों ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। जनकल्याणकारी योजनाओं ने गरीबों के जीवन स्तर को बदल दिया है। यही मोदी की गारंटी है।

यही वजह है कि देशभर की जनता अपने प्रिय नेता नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए आतुर है। भाजपा ने हमेशा राष्ट्रवाद के साथ विकास को प्राथमिकता दी है और जनता का आशीर्वाद हमें मिलेगा। आलोक शर्मा के साथ जनसंपर्क के दौरान बैरसिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री विष्णु खत्री, जिलाध्यक्ष ग्रामीण श्री केदार सिंह मंडलोई, सभी मंडल अध्यक्ष, पदाधिकारीगण एवं भाजपा कार्यकर्ता उनके साथ रहे। इन क्षेत्रों में किया जनसंपर्क प्रत्याशी आलोक शर्मा ने लंबाखेड़ा, जगदीशपुर, ईटखेड़ी, गोलखेड़ी, निपानिया जाट, रायपुर, दुपड़िया, गंगा कालरा, पीपलखेड़ा, रोडिया, इजगिरी डेल्ड हर्राखेडा, इमला चौकी, धमर्रा, हिरनखेड़ी, तरावली कला, नलखेड़ा, खजुरिया रामदास, टिकनखेड़ी आदि गांव में सघन जनसंपर्क कर जनता से भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में वोट करने की अपील की।

नेशनल हाईवे पर सड़क दुर्घटना में हुई महिला की मौत, पति गंभीर घायल

बैतूल/शाहपुर। नेशनल हाईवे पर गुरुवार की दोपहर को सड़क दुर्घटना में अपने मायके जा रही महिला की दर्दनाक मौत हो गई। मोटरसाइकिल चालक गंभीर अवस्था में घायल हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सातलदेही निवासी प्रमोद अपनी पत्नी रामप्यारी के साथ मोटरसाइकिल से अपने ससराल सुखतवा जा रहा था। धापड़ा जोड़ के पास ट्रक चालक द्वारा लापरवाही पूर्वक ट्रक चलाते हुए मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे कि रामप्यारी उम्र लगभग 30 वर्ष की पैरों पर से ट्रक गुजर जाने के कारण घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि मोटरसाइकिल चला रहे प्रमोद उम्र लगभग 34 वर्ष के चेहरे एवं हाथ और पैर में चोट आई हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही भौरा पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे और पिकअप वाहन से मृतिका एवं घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर लाया गया। जहां पर घायल का प्राथमिक उपचार किया गया एवं जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। वहीं मृतक महिला का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौप जाएगा।

गुरु आपको रंग से राजा बना देता है : श्रीवास्तव

सीएम राइस विद्यालय में 10 दिवसीय समर कैंप का हुआ शुभारंभ

बैतूल/शाहपुर। ब्लॉक मुख्यालय पर स्थित सीएम राइस विद्यालय में समर कैंप का आयोजन किया गया ।समर कैंप में बच्चों को विभिन्न प्रकार के खेल के जरिए पढ़ाई करना भी सिखाया जा रहा है। इसके अलावा बच्चों को नृत्य, शतरंज, कैरम, ड्राइंग, संगीत, मेहंदी, स्पोकन इंग्लिश, आर्ट एंड क्राफ्ट, रंगोली एवं लेखन सुधार आदि स्किल शिक्षा दी जा रही है। इस समर कैंप में सीएम राइस विद्यालय के बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया कार्यक्रम में प्रतिभाग के लिए बच्चे और अभिभावकों में काफी उत्साह दिखा।

विद्यालय के प्राचार्य एसके जैन ने बताया कि इस समर कैंप का आयोजन 25 अप्रैल से 4 मई तक किया जा रहा है। जिसमें विद्यालय में पढ़ने वाले सभी बच्चे पार्टिसिपेट कर सकते हैं। बच्चों को ज्ञानी शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी निपुण होने के लिए इस तरह समर कैंप का आयोजन शासन स्तर से किया जा रहा है। मुख्य अतिथि नगर परिषद सीएमओ के द्वारा बच्चों को उद्बोधन करते हुए बताया गया कि माता-पिता के बाद अगर कोई पूज्य होता है। तो वहां गुरु होता है एक गुरु ही होता है जो आपको रंक से राजा बना देता है। इसीलिए हमेशा गुरु को पूजनीय माना गया है। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी वीके नामदेव ने अपने उद्बोधन में 10 दिवसीय समर कैंप की जानकारी देते हुए बच्चों एवं शिक्षकों का हौसला अफजाई करते हुए शिविर को बच्चों की रचनात्मकता के लिए बेहतर आयोजन बताया गया। उन्होंने कहा कि समर कैंप केवल में बच्चों को कुछ नया सीखने का मौका मिलता है। इससे बच्चों को सकारात्मक तरीके से प्रभावित करने का मौका मिलता है। बच्चों में कार्य करने की रुचि पैदा होती है। उक्त कार्यक्रम में सीएम राइस विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाएं सहित बच्चे एवं पलक उपस्थित थे।

श्री हनुमान जन्मोत्सव पर हुआ 11 दिवसीय अखण्ड हनुमान चालीसा पाठ का समापन

बैतूल/सारनी। नगर की समृद्धि के लिए गत वर्षानुसार इस वर्ष भी संकट मोचन हनुमान मंदिर सी एच पी 4 में 11 दिवसीय अखण्ड हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया था। जिसका समापन बड़े धूम धाम से किया गया। मंदिर समिती के पुजारी आनंदी जी ने बताया कि सारनी नगर की समृद्धि के लिए श्री रामनवमी एवं हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर गत वर्षानुसार इस वर्ष भी 11 दिवसीय अखण्ड हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जा रहा है।

जामसांवली मंदिर के पूजारी श्री धनाराम मायवाड़ जी के सानिध्य में हुआ। मंदिर समिति के सदस्य जगदीश गौर,राजकुमार बडोदे, मनोहर बरडे एवं संजय झरबड़े ने बताया कि 11 दिवसीय अखण्ड हनुमान चालीसा पाठ दिनांक 11 अप्रेल सुबह 8 बजे आरंभ हुआ जिसका 22 अप्रेल सुबह 8 बजे समापन हुआ तत्पश्चात 22 अप्रैल सुबह 8:30 बजे से अखण्ड रामायण पाठ आरंभ हुआ। जो कि 23 अप्रेल सुबह 8:30 बजे समापन हुआ। उसके बाद सुंदर कांठ पाठ किया गया जिसके उपरांत सुबह 10 बजे से हवन पूजन प्रारंभ हुआ तथा 12:30 बजे से महाप्रसादी वितरण शुरू किया किया गया। मंदिर परिषर में श्रीराम, सीताजी, लक्ष्मणजी एवं हनुमान जी की झांकी विशेष आकर्षण का केन्द्र रही संकट मोचन हनुमान मंदिर समिती के सदस्यो ने इस भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए समस्त धर्मप्रेमी बंधुगन, समस्त सामाजिक संघठन, तथा विभिन्न भजन मंडल, चालीसा मंडल, रामायण मंडल, समस्त महिला मंडल के सदस्यो का आभार व्यक्त किया है।

दुकानों में मिली अमानक स्तर की पॉलीथीन नपा की टीम ने किया 1800 का जुर्माना

बैतूल/सारनी। नगर पालिका परिषद सारनी क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलीथीन के उपयोग पर प्रतिबंध का कड़ाई से पालन किया जा रहा है। नगर पालिका परिषद सारनी की टीम ने बुधवार को अमानक पालीथीन का उपयोग करते पाए जाने पर नगर पालिका की टीम ने दुकानदारों पर जुर्माना किया। अमानक पालीथीन जब्त किए गए। नगर पालिका परिषद सारनी के स्वच्छ भारत अभियान के नोडल ऑफिसर केके भावसार ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 मेरा शहर मेरी पहचान के अंतर्गत मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीके मेश्राम के निर्देशन में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रतिबंध हेतु मार्च माह से सतत जागरूक अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ही नपा की टीम ने बाजारों में जांच की तो अमानक स्तर के पालीथीन में सामग्री बेचते दुकानदार मिले। इन पर चलानी कार्रवाई कर 1800 रुपए का जुर्माना वसूल किया गया। इसके अलावा सतत जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें साप्ताहिक बाजारों दुकानों एवं नागरिकों को प्लास्टिक की डांडिया, प्लास्टिक स्टीकर, थर्माकोल, प्लास्टिक की प्लेट, कटोरी, चम्मच, प्लास्टिक के झंडे, प्लास्टिक के स्ट्रॉ, एवं पी.वी.सी. बैनर के उपयोग करने से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में नागरिकों एवं व्यापारी दुकानदारों को जागरूक किया जा रहा है। यह अभियान 2024 जून माह तक निरंतर चलाया जाएगा जिसमें नागरिक को, व्यापारियों, दुकानदारों, साप्ताहिक बाजार, फल मार्केट, मटन मार्केट, इत्यादि में निगरानी दलों द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक पॉलिथीन दुकानदार द्वारा देते पाए जाने पर या दुकानों पर रखने पर चालानी कार्रवाई की जा रही है।नगर पालिका की सहयोगी संस्था कल्पतरु ग्रामोद्योग समिति भोपाल के सदस्यों द्वारा भी नागरिकों को कपड़े से बने बेग का उपयोग करने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

चुनाव सामग्री वितरण हुई 317 मतदान केन्द्रों पर रहेगी सुरक्षा चाक चौबंद

पिपरिया। लोकसभा चुनाव में सामग्री वितरण हुई। सुरक्षा की दृष्टि से 317 मतदान केन्द्रों पर पुलिस बल तैनात करने पुलिस टीमे लग चुकी है। शहीद भगतसिंह पीजी कालेज में बने स्ट्रांग रूम से मतदान सामग्री मतदान दलो को गुरूवार प्रातः से वितरित की गई। इस हेतु मतदान केन्द्रवार टेबिले लगाई गई । मतदान सामग्री,मतदान दल को टेबिलो पर पहुंचाकर दी गई इस हेतु एसडीएम व सहायक निर्वाचन अधिकारी संतोष तिवारी के निर्देशन,तहसीलदार वैभव बैरागी के मार्गदर्शन में नायब तहसीलदार तीरथलाल इरपाची,बनखेडी नायब तहसीलदार रामसिपाही मरावी,दिव्यांशु नामदेव,बीआरसी प्रदीप शर्मा सहित टीमे तैनात रही।

सुरक्षा की दृष्टि से लगे 43 टीआई-एसडीओपी मोहित यादव ने बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर पिपरिया विधानसभा में सेक्टर मजिस्ट्रेड के साथ सेक्टर पुलिस अधिकारी तैनात है वही 43 टीआई क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दे रहे है। डीएसपी भी इस बार अपना मार्गदर्शन देते रहेगे। सीआरपीएफ के जवान के साथ 250 से अधिक बल आया है। कोटवारो को एसपीओ बनाया गया है,50 क्रिटिकल मतदान केन्द्रों में 20 केन्द्रो पर सीआरपीएफ का बल व अन्य केन्द्रों पर वेब कास्टिंग की जावेगी साथ ही बल की विशेष व्यवस्थाये की गई है।आपने बताया कि किसी भी विषम परिस्थिति में 10 से 15 मिनिट के अंतर्गत पुलिस मोबाइल स्थल पर पहुंच जावेगी। पुलिस टीमे चुनाव के दौरान चारो और तैनात रहेगी।

1560 कर्मचारी चुनाव के दौरान ड्यूटी पर रहेगे- लोकसभा चुनाव के दौरान पिपरिया विधानसभा क्षेत्र में मतदान दल में रिजर्व सहित 1400 सदस्य है। वही सामग्री वितरण सहित अन्य व्यवस्थाओं में 160 से अधिक कर्मचारी तैनात रहे। इसके साथ ही अधिकारियों की टीम भी सतत निगरानी रखने तैनात रहेगी। मतदान दलो को मतदान केन्द्र तक पहुंचाने के लिये लगभग 147 वाहन लगाये गये । निर्वाचन कार्यालय प्रभारी अवधेश रघुवंशी ने बताया कि 82 रूट सुनिश्चित किये गये है जिन पर 82 बसे गई। 35 सेक्टर आफीसरो के वाहन है।वही अन्य वाहन रिजर्व में रहेगे।

स्वास्थ टीम रहेगी तैनात- चुनाव के दौरान कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम संतोष तिवारी के मार्गदर्शन में हर सेक्टर अधिकारी के साथ एक चिकित्सक और मेडिकल किट है। वही हर मतदान केन्द्र पर भी मेडिकल किट रखी गई है।इसके साथ सामग्री वितरण केन्द्र पर व आरएनए वाहन स्थल पर भी स्वास्थ विभाग की टीम तैनात रही। सामग्री वितरण स्थल पर हेल्प लाइन सहित विभिन्न सुविधाये दी गई ।

गर्मी को देखते हुए ठंडे पेय पद्धार्थो की व्यवस्था- सामग्री वितरण स्थल पर मतदान दलो एवं कर्मचारियों हेतु गर्मी को देखते हुए पेयजल के साथ ठंडे पेय पद्धार्थ केरीपानी व जलजीरा की व्यवस्था की गई।

अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों की तैनाती के खिलाफ प्रस्ताव पर रूस का वीटो

वॉशिंगटन। रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में बाहरी अंतरिक्ष संधि के प्रस्ताव को वीटो लगाकर रोक दिया। इससे अमेरिका नाराज हो गया है। अमेरिका ने रूस पर आरोप लगाया है कि रूस सैटेलाइट ले जाने वाले परमाणु हथियार को विकसित कर रहा है और इसी वजह से उन्होंने इस प्रस्ताव को वीटो किया।

» अमेरिका बोला- इनकी नीयत में खोट

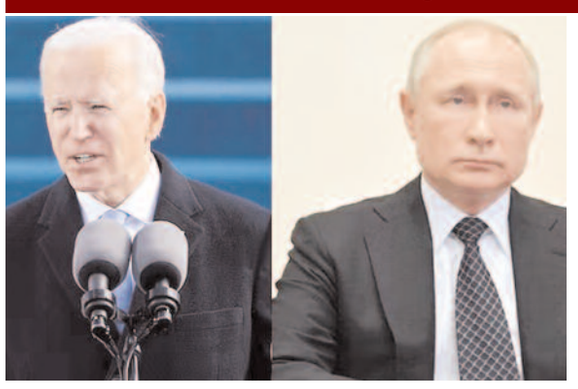

बाहरी अंतरिक्ष संधि के तहत अंतरिक्ष में खतरनाक हथियारों जिनमें परमाणु हथियार भी शामिल हैं, उनकी तैनाती पर रोक लगाने की तैयारी थी। हालांकि रूस के वीटो के कारण अमेरिका की यह मंशा पूरी नहीं हो सकी। बुधवार को अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने एक बयान में कहा कि जैसा कि हमने पहले भी नोटिस किया है, रूस, सैटेलाइट ले जाने वाले परमाणु हथियारों को विकसित कर रहा है। हमने सुना है कि राष्ट्रपति पुतिन ने सार्वजनिक तौर पर कहा कि रूस के अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों को तैनात करने की कोई योजना नहीं है। अगर ऐसा है तो रूस ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वीटो क्यों किया। सुलिवन ने कहा कि अमेरिका और जापान द्वारा संयुक्त रूप से लाए गए प्रस्ताव से यह तय हो जाता कि अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों की तैनाती मौलिक दायित्वों के खिलाफ है। प्रस्ताव में सदस्य देशों से पृथ्वी की कक्षा में तैनात किए जा सकने वाले परमाणु हथियार न बनाने की भी मांग की गई थी।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा कि पृथ्वी की कक्षा में परमाणु हथियारों की तैनाती से संचार, वैज्ञानिक, मौसमी, कृषि, व्यवसायिक और राष्ट्रीय सुरक्षा सेवाओं के बाधित होने का खतरा है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस ग्रीनफील्ड ने भी रूस के कदम की आलोचना की और कहा कि रूस ने जिम्मेदारी से मुंह मोड़ा है। उन्होंने कहा कि बेशक, यह पहली बार नहीं है, जब रूस ने वैश्विक हथियार अप्रसार की कोशिशों को विफल किया है। बीते कुछ वर्षों से रूस खतरनाक हथियारों के मुद्दे पर गैर जिम्मेदाराना व्यवहार कर रहा है। यह हथियार नियंत्रण के मुद्दे पर चर्चा से भाग रहा है।

यूक्रेन को हथियार भेज रहा है अमेरिका, बाइडन ने कहा- चीन-ईरान और उत्तर कोरिया रूस की कर रहे हैं मदद

वाशिंगटन। रूस के खिलाफ लड़ रहे यूक्रेन के लिए अमेरिका ने हथियार और गोला-बारूद भेजना शुरू कर दिया है।

बाइडन ने आरोप लगाया कि चीन, ईरान और उत्तर कोरिया युद्ध में मास्को की मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुतिन के दोस्त उन्हें सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। ईरान ड्रोन भेज रहा है। उत्तर कोरिया बैलिस्टिक मिसाइलें और तोपखाने के गोले दे रहा है। चीन रूस के रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दे रहा है। इससे पहले, अमेरिका ने यूक्रेन के लिए एक बिलियन अमेरिकी डॉलर के नए पैकेज की घोषणा की। पैकेज का उद्देश्य तोपखाने और गोला-बारूद सहित अन्य हथियारों की खेप मदद के तौर कीव को देना था, जिससे वह रूस से अपने देश की रक्षा कर सके। यह घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा पूरक पर हस्ताक्षर करने के बाद हुई है। अमेरिकी रक्षा विभाग ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की। इसमें उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा अनुपूरक पारित होने के बाद आज रक्षा विभाग ने यूक्रेन की महत्वपूर्ण सुरक्षा और रक्षा को ध्यान में रखते हुए नई सुरक्षा सहायता की घोषणा की।

राजस्थान में फिर आया फोन टैपिंग का जिन्न, बुरे फंसे राजनीति के जादूगर अशोक गहलोत!

नई दिल्ली। चुनावी मौसम में एक बार फिर से राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत सुर्खियों में आ गए हैं। हालांकि ऐसा उनके बयानों की वजह से नहीं हुआ है। बल्कि उनके पूर्व ओएसडी रहे लोकेश शर्मा के बड़े धमाके के बाद हुआ है। लोकेश शर्मा ने अशोक गहलोत को लेकर फोन टैपिंग वाला बम फोड़ा है जिसकी वजह से राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर से सियासत तेज हो गई है।

भाजपा फिलहाल राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर हमलावर है। कहीं ना कहीं इस पूरे मामले को लेकर अब कांग्रेस राजस्थान में बैकफुट पर दिखाई दे रही है। लोकेश शर्मा के आरोपी को कांग्रेस पूरी तरीके से खारिश करती हुई भी नजर आ रही है।

लोकेश शर्मा ने दावा किया कि राज्य में 2020 में कांग्रेस सरकार को ''गिराने'' की साजिश के संबंध में गजेंद्र सिंह शेखावत और कांग्रेस नेताओं के बीच टेलीफोन पर कथित बातचीत के तीन ऑडियो क्लिप तत्कालीन मुख्यमंत्री ने उन्हें मीडिया में प्रसारित करने के लिए एक पेन ड्राइव में दिए थे। उन्होंने कहा कि अगर जांच एजेंसी की तरफ इसकी मांग जाएगी तो वह अपने दावे के संबंध में अपने पास मौजूद सबूत दे देंगे। शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत पर अपने तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की छवि खराब करने की साजिश रचने, पायलट और अन्य कांग्रेस नेताओं के फोन सर्विलांस पर रखने, रीट पेपर लीक में शामिल होने और पार्टी आलाकमान को अंधकार में रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तब डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने यहां तक कहा था कि जब वे अपना पक्ष बताना चाहते थे तब भी कोई उनकी बात नहीं सुन रहा था, इसलिए वे सभी एकजुट होकर पार्टी आलाकमान के पास पहुंचे. लेकिन जैसे ही सीएम अशोक गहलोत को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने सभी के फोन सर्विलांस पर लगा दिए और उन्हें ट्रैक कर रहे थे, जिसमें सचिन पायलट भी शामिल थे।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि आज राजस्थान में अशोक गहलोत की पूर्व सरकार की %लूट%, %झूठ% और %तानाशाही% का सबूत उन्हीं के द्वारा लीक हो गया है... और उन्होंने हमें बता दिया है कि राजस्थान की गहलोत सरकार सबसे भ्रष्ट थी.. इसकी पुष्टि सिर्फ मिस्टर लोकेश ने ही नहीं बल्कि कांग्रेस पार्टी के अन्य नेताओं ने भी की। उन्होंने दावा किया कि जो गहलोत सरकार जो भ्रष्टाचार कर रही है उसके बारे में बोलते थे. आज एक और तथ्य सामने आया है कि कैसे अशोक गहलोत अपने ही विधायकों और वरिष्ठ नेताओं की जासूसी कर रहे थे। क्या उन्हें सचिन पायलट पर भरोसा नहीं था? अब राहुल गांधी हमें बताएं कि जब वे देश भर में तानाशाही की बात करते हैं तो उनकी अपनी सरकार तानाशाही व्यवहार के कीर्तिमान स्थापित कर रही थी। अब उन्हें अपने ही नेताओं को जवाब देना होगा।

अब व्हाट्सएप संदेशों के माध्यम से अधिवक्ताओं को मिलेगी मामलों की जानकारी

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि सुप्रीम कोर्ट व्हाट्सएप संदेशों के माध्यम से अधिवक्ताओं को वाद सूची और मामलों को दाखिल करने और सूचीबद्ध करने से संबंधित जानकारी साझा करना शुरू करेगा। प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की पीठ ने याचिकाओं से उत्पन्न एक जटिल कानूनी सवाल पर सुनवाई शुरू करने से पहले न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने यह घोषणा की। याचिकाओं से यह सवाल निकलकर सामने आया कि क्या निजी संपत्तियों को संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) के तहत समुदाय के भौतिक संसाधन माना जा सकता है, जो राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों (डीपीएसपी) का एक हिस्सा है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 75वें वर्ष में उच्चतम न्यायालय ने एक पहल की है, जिसमें न्यायालय की आईटी सेवाओं के साथ व्हाट्स ऐप संदेशों को एकीकृत कर न्याय तक पहुंच को और मजबूत बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि अब अधिवक्ताओं को मुकदमा दाखिल करने के बारे में ऑटोमेटेड संदेश प्राप्त होंगे।

कमला हैरिस की सुरक्षा में शामिल सीक्रेट सर्विस एजेंट की सहयोगियों से मुठभेड़, कार्यभार से हटाया गया

वॉशिंगटन। अमेरिका की उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस की सुरक्षा में शामिल एक सीक्रेट सर्विस एजेंट को मुठभेड़ में शामिल होने के बाद तुरंत हटा दिया गया है। एजेंसी ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। एजेंट को कमला हैरिस के विवरण से हटा दिया गया है। वॉशिंगटन डीसी के बाहरी इलाके में ज्वाइंट बेस एंड्रयूज के पास सुबह के नौ बजे के आसपास सीक्रेट सर्विस एजेंट का अन्य एजेंट के साथ मुठभेड़ हो गया। यह मुठभेड़ कमला हैरिस के वहां पहुंचने से पहले हुई।

मुठभेड़ में शामिल एजेंट की पहचान फिलहाल अज्ञात है। उन्हें तुरंत उनके कार्यभार से हटा दिया गया है। यूएस सीक्रेट सर्विस के संचार प्रमुख एंथनी गुग्लिएल्मी ने कहा, उप-राष्ट्रपति के ज्वाइंट बेस एंड्रयूज से प्रस्थान का समर्थन करने वाले अमेरिकी सीक्रेट सर्विस एजेंट का ऐसा प्रदर्शन उनके सहयोगियों को अच्छा नहीं लगा। उन्होंने आगे कहा, अमेरिकी सक्रेट सर्विस हमारी कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को बहुत गंभीरता से लेती है।

इस दौरान मेडिकल कर्मियों को मौके पर बुलाया गया। इसके कारण कमला हैरिस की यात्रा में किसी प्रकार की देरी नहीं हुई। गुग्लिएल्मी ने बताया कि यह एक चिकित्सा से जुड़ा मामला है, इसलिए विभाग ने इस पर ज्यादा खुलासा नहीं किया है। हालांकि, कमला हैरिस न्यूयॉर्क के लिए रवाना हो गई, जहां उन्हें एक साक्षात्कार में शामिल होना था। स्थानीय मीडिया के अनुसार, विवाद में शामिल एजेंट सशस्त्र था और वह दूसरे एजेंट के साथ आक्रमकता दिखा रहा था। स्थिति को शांत करने के लिए मौके पर मौजूद सुपरवाइजर और एजेंट के इंचार्ज ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन असफल रहे। इसके बाद विवाद में शामिल एजेंट को हथकड़ी पहनाया गया और मेडिकल सुविधा दी गई। स्थानीय मीडिया ने बताया कि इस घटना ने एजेंटों की भर्ती प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़ा किया है।

भाजपा में शामिल हुए मशहूर यूट्यूबर मनीष कश्यप

नई दिल्ली। बिहार की एक प्रमुख यूट्यूब हस्ती मनीष कश्यप आज भाजपा नेता मनोज तिवारी और अनिल बलूनी की उपस्थिति में आधिकारिक तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। बिहार के मशहूर यूट्यूबर मनीष कश्यप बीजेपी नेता मनोज तिवारी के साथ दिल्ली पहुंचे। इससे पहले, कश्यप ने पश्चिम चंपारण निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ने के अपने इरादे की घोषणा की थी। हालांकि, अब उन्होंने चुनाव न लड़ने का फैसला किया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि बहुत दिनों बाद मां के चेहरे पर खुशी है। कश्यप ने दावा किया कि मां के कहने पर ही उन्होंने भाजपा में शामिल होने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि मेरी विचारधारा भी पार्टी से मिलती है। ऐसी अटकलें हैं कि उन्हें पार्टी चुनाव में प्रचार के लिए इस्तेमाल कर सकती है। साथ ही शबर यह भी है कि विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के रूप में एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी या टिकट की पेशकश की जा सकती है।

पत्नी पर भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद पीएम ने दिए राजनीति छोड़ने के संकेत, बोले- रुककर सोचने की जरूरत

मैड्रिड। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज की पत्नी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। इसके बाद पीएम सांचेज ने अपने सभी सरकारी काम रोक दिए हैं और कहा है कि उन्हें रुककर सोचने की जरूरत है। पीएम सांचेज ने संकेत दिए हैं कि वे राजनीति छोड़ भी सकते हैं। पीएम सांचेज की पत्नी बेगोना गोमेज के खिलाफ न्यायिक जांच शुरू हो गई है। समाजवादी नेता सांचेज ने बुधवार को कहा कि उनकी पत्नी के खिलाफ लगे आरोप झूठे हैं। हालांकि उन्होंने सोमवार तक अपने सभी सार्वजनिक दायित्वों को निभाने पर रोक लगा दी है। सोमवार को वह मीडिया के सामने आएंगे और अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर कोई बड़ा एलान कर सकते हैं। सांचेज ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि मुझे थोड़ा रुककर सोचने की जरूरत है। मुझे तुरंत इस सवाल का जवाब ढूंढने की जरूरत है कि क्या मुझे सरकार का नेतृत्व जारी रखना चाहिए या फिर इस सम्मान को त्याग देना चाहिए। पीएम पेड्रो सांचेज सार्वजनिक जिम्मेदारियां नहीं निभा रहे हैं और जनता की नजरों से भी दूर हैं। पेड्रो सांचेज ने पत्नी गोमेज के खिलाफ मानोस लिमपियास नामक एक यूनियन ने आरोप लगाए हैं। यह यूनियन कानूनी मामलों के प्लेटफॉर्म की तरह भी काम करती है और बिजनेस डील्स को प्रभावित करने में भी इस यूनियन की भूमिका है।

11 साल से जेल में बंद बेटी से मिलने भारत से पहुंचीं मां, हत्या के मामले में मिली है मौत की सजा

नई दिल्ली। यमन जेल में 11 सालों से बंद अपनी बेटी से मिलने भारत से उनकी मां मिलने पहुंची। दोनों बहुत देर तक एक दूसरे को गले से लगाकर रोते रहे। जेल में उपस्थित अन्य लोग भी उनको देख भावुक हो उठे, अपनी बेटी से मिलने के बाद मां ने एक वीडियो जारी कर बताया कि उन्हें नहीं लगा था कि वह कभी उसे देख पाएंगी। बेटी हत्या के आरोप में यमन जेल में मौत की सजा काट रही है। बुधवार 24 अप्रैल का दिन यमन जेल में 11 साल बाद एक मां-बेटी के मिलन का गवाह बना। यमन जेल में पिछले 11 साल से निमिषा प्रिया एक यमन नागरिक की हत्या के आरोप में सजा काट रही हैं। उनकी मां जो कि भारत में रहती हैं, वे कई सालों उससे मिलने के लिए प्रयास कर रहीं थी। पिछले साल दिसंबर में उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर यमन जाने की अनुमति मांगी थी, ताकि वे अपनी बेटी की मौत की सजा माफ करवा सकें। अनुमति मिलने के बाद वह भारत से यमन गईं। उन्होंने अपनी बेटी से मिलने की अनुमित मांगी थी। अपनी बेटी से मिलकर जेल से लौटीं निमिषा प्रिया की मां प्रेमा कुमारी ने एक वीडियो के जरिए अपनी भावना बयां करते हुए भारत और यमन सरकार को शुक्रिया भी कहा है।

रायबरेली में गांधी बनाम गांधी!

प्रियंका के खिलाफ वरुण को उतारने की तैयारी में भाजपा, जारी है अटकलों का दौर

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने रायबरेली लोकसभा सीट पर अपनी चचेरी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ संभावित चुनाव लड़ने का विकल्प चुना है। इस बात की खूब चर्चा भी थी। सूत्रों ने बताया कि भाजपा वरुण गांधी को रायबरेली से मैदान में उतारने की इच्छुक थी, जो 2004 से कांग्रेस का गढ़ रहा है। कांग्रेस सूत्रों ने बुधवार को सुझाव दिया कि इस बात की प्रबल संभावना है कि प्रियंका गांधी वाड्रा इस सीट से चुनाव लड़ सकती हैं। इस साल फरवरी में राज्यसभा के लिए चुने जाने से पहले उनकी मां और पूर्व कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी 2004 से रायबरेली सीट पर काबिज थीं। सोनिया गांधी द्वारा 2024 का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा के बाद कांग्रेस द्वारा प्रियंका गांधी को रायबरेली से मैदान में उतारने की अटकलें तेज हो गईं। सूत्रों ने कहा कि ऐसी अटकलों के बीच, भाजपा ने अपने चचेरी बहन के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए वरुण गांधी से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने रायबरेली चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। भाजपा नेता के करीबी सूत्रों ने कहा कि वरुण गांधी उस तरह की सुर्खियों से दूर रहना चाहते हैं जो %गांधी बनाम गांधी% मुकाबले को आकर्षित करेगी। वरुण गांधी पीलीभीत से मौजूदा सांसद हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए, भाजपा ने उन्हें पीलीभीत चुनाव से हटाने का फैसला किया और इस सीट पर पूर्व मंत्री जितिन प्रसाद को मैदान में उतारा। इसके बाद, वरुण गांधी ने पीलीभीत के लोगों को एक खुला पत्र लिखा और कहा कि वह इस भूमि के पुत्र बने रहेंगे।

विश्वविद्यालयों में बढ़ते फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनों से घबराई सरकार

वॉशिंगटन। अमेरिका के कई विश्वविद्यालय इन दिनों विरोध प्रदर्शनों का केंद्र बने हुए हैं। दरअसल अमेरिकी यूनिवर्सिटीज में फलस्तीन के समर्थन में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन इतने बढ़ गए हैं कि अमेरिकी सरकार भी घबरा गई है। यही वजह है कि सरकार ने कई यूनिवर्सिटीज को बंद करने और ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने का आदेश दिया है। विरोध प्रदर्शनों के चलते सैंकड़ों छात्रों को हिरासत में लिया गया है और 100 से ज्यादा लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कैलिफोर्निया से लेकर न्यूयॉर्क तक अमेरिका की 21 यूनिवर्सिटीज में बीते कुछ दिनों से फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। बड़ी संख्या में छात्र कॉलेज परिसर में ही तंबू लगाकर रह रहे हैं। न्यूयॉर्क पुलिस ने तो सोमवार को यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क और येले यूनिवर्सिटी प्रशासन को समन जारी कर फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनों को सुलझाने को कहा है। बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के चलते 21 यूनिवर्सिटीज में कक्षाएं ऑनलाइन संचालित की जा रही हैं। वहीं कुछ कॉलेज बंद ही कर दिए गए हैं।

कार्डिनल रंजीथ के आरोपों को श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति राजपक्षे ने नकारा, हर बात का दिया जवाब

कोलंबो। श्रीलंका में 2019 में हुए ईस्टर संडे आतंकी हमले के मामले में पूर्व राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने कैथोलिक चर्च के आर्कबिशन कार्डिनल मैल्कम रंजीथ को आरोपों को सिरे से नकारा है। बता दें कि 21 अप्रैल 2019 को श्रीलंका में आईएसआईएस समर्थित इस्लामी चरमपंथी नेशनल तौहीद जमात द्वारा सीरियल ब्लास्ट किया गया था। इस दौरान नौ आत्मघाती हमलावरों द्वारा तीन कैथोलिक चर्च और कई लग्जरी होटोलों में बम धमाके किए गए थे। इस आतंकी हमले में 11 भारतीयों समेत 270 लोगों की मौत हो गई थी।

हाल ही में कार्डिनल रंजीथ ने आरोप लगाया था कि ईस्टर संडे ब्लास्ट मामले में राष्ट्रपति जांच आयोग की रिपोर्ट पूर्व राष्ट्रपति को सौंपी गई थी। इसके बाद राजपक्षे ने उनसे फोन पर बात की थी। रंजीथ के अनुसार पूर्व राष्ट्रपति ने कहा था कि उस रिपोर्ट की सिफारिशों को लागू करने में कठिनाइयां हुईं। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें उन व्यक्तियों की गिरफ्तारी और उन संगठनों पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई थी जो कि राजपक्षे के समर्थक थे।

इसके जवाब में गोटाबाया राजपक्षे ने कहा कि मैं स्पष्ट रूप से कहता हूं कि राष्ट्रपति आयोग

की रिपोर्ट मुझे सौंपे जाने के बाद मैंने कार्डिनल से फोन पर बात नहीं की। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह के किसी भी संगठन में मेरा कोई सहयोगी नहीं हो सकता है, जिसे ईस्टर संडे ब्लास्ट के लिए प्रतिबंधित करने की आवश्यकता होगी।

राजपक्षे ने कार्डिनल रंजीथ के उस आरोप का भी खंडन किया, जिसमें कहा गया था कि पूर्व राष्ट्रपति ने कार्डिनल को राष्ट्रपति आयोग की रिपोर्ट के पहले संस्करण की कॉपी देने में देरी की थी। इसके जवाब में राजपक्षे ने कहा कि राष्ट्रपति आयोग की रिपोर्ट मुझे एक फरवरी 2021 को मिली थी। इसके बाद इस प्रति को अटॉर्नी जनरल को सौंपा गया और 23 फरवरी 2021 को इसे संसद के अध्यक्ष को सौंपा गया था। उन्होंने कहा कि इसके बाद एक मार्च को कैथोलिक बिशप समेत सभी संबंधित लोगों को यह कॉपी दे दी गई थी। ऐसे में कार्डिनल रंजीथ के पास इस कॉपी के देरी से पहुंचने का सवाल ही नहीं उठता। राजपक्षे ने उन आरोपों का भी खंडन किया कि उन्होंने ईस्टर संडे हमलों की जांच कर रहे सीआईडी अधिकारियों का तबादला कर दिया था और एक वरिष्ठ अधिकारी को जेल में भी डाल दिया था। राजपक्षे ने कहा कि अपराधियों को राजनेताओं द्वारा नहीं बल्कि पुलिस और न्यापालिका द्वारा कटघरे में लाया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अब तक 93 लोग आत्मघाती बम विस्फोटों से संबंधित अपराधों के लिए अदालत में कानूनी कार्यवाही का सामना कर रहे हैं।

अमेरिका में फैल रहा जॉम्बी डियर डिजीज का संक्रमण, वर्जीनिया के पार्क में सफेद पूंछ वाले दो हिरण पॉजिटिव

वॉशिंगटन। कोरोना वायरस के नए वैरिएंट के मामलों के बीच अमेरिका में जॉम्बी डियर डिजीज का केस सामने आया है। पश्चिमी वर्जीनिया के हार्पर्स फेरी नेशनल हिस्टोरिकल पार्क के अंदर दो सफेद पूंछ वाले हिरणों को इससे संक्रमित पाया गया है। एक विज्ञप्ति में बताया गया कि जिन दो हिरणों को इससे संक्रमित पाया गया है, उनकी मौत हो चुकी है। बता दें कि इस बीमारी को क्रॉनिक वेस्टिंग डिजीज (सीडब्ल्यूडी) के नाम से भी जाना जाता है। बताया जा रहा है कि एंटिएटम और मोनोकेसी बैटलफील्ड पार्क में रहने वाले हिरणों को सीडब्ल्यूडी से संक्रमित पाया गया है। हार्पर्स फेरी और आसपास के नेशनल पार्क में देशी पौधों और ऐतिहासिक परिदृश्यों को संरक्षित रखने के लिए हिरणों की जनसंख्या को कम किया जा रहा है। पार्क सेवाएं हिरणों की आबादी नियंत्रित करने के लिए समय समय पर कुछ पार्कों में शिकार आयोजित करती है। विज्ञप्ति में बताया गया कि इस साल तक इन पार्कों में परिणाम निगेटिव हैं। अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, यह एक पुरानी और भयानक बीमारी है। यह वायरस जानवरों के दिमाग को खा जाता है, जिस वजह से उनकी मौत हो जाती है। उन्होंने आगे बताया कि इस बीमारी का न तो कोई इलाज है और न ही कोई टीका। यह वायरस जानवरों के साथ बल्कि मनुष्य को भी प्रभावित करता है। बता दें कि इस बीमारी का पता पिछले साल येलोस्टोन नेशनल पार्क में नवंबर में चला था।

रोज-रोज की तकरार

आम तौर पर हम दूसरे के व्यवहार व कार्यों को ही देखते हैं जिनके आधार पर तकरार शुरू करने पर हमसे बड़ी भूल हो सकती है। किसी गलत बात को कहने के जवाब में पति या पत्नी को कड़वे, कठोर और चुभने वाले ढंग से नहीं बोलना चाहिए

शादी के बाद घर बसाने का एक मुख्य मकसद यह होता है कि हम अपने जीवनसाथी पर प्यार लुटाएं और उससे भी प्यार पाएं। लेकिन जब घर में रोज-रोज तकरार होने लगे तो यह तकरार प्रेम संबंधों की जड़े खोखली कर देती है। ध्यान रखें कि दूसरे का नजरिया समझने का प्रयास ही आपको व्यर्थ की बहस व तकरार से बचा लेगा। आम तौर पर हम दूसरे के व्यवहार व कार्यों को ही देखते है जिनके आधार पर तकरार शुरू करने पर हमसे बड़ी भूल हो सकती है। किसी गलत बात को कहने के जवाब में पति या पत्नी को कड़वे, कठोर और चुभने वाले ढंग से नहीं बोलना चाहिए। ऐसा करने पर बात बिगड़ती चली जाती है। पति या पत्नी का मूड पहले से ही किन्हीं कारणों से खराब हो सकता है। ऐसे में दूसरे के लिए उससे वार्तालाप करना कठिन साबित होगा। इन परिस्थितियों में अगर दूसरा भी बहस या तकरार में उलझ जाए तो यह समझदारी की बात नहीं होगी। जब पति या पत्नी में से कोई नाराज हो जाए तो ऐसे में दूसरे को नाराजगी भरा रुख नहीं अपनाना चाहिए। ऐसे माहौल में शांति, मधुर स्वर और सहानुभूति बनाए रखने की और भी ज्यादा आवश्यकता होती है। आखिरकार देर-सवेर जीवनसाथी के खराब मूड में बदलाव आ ही जाता है। तब स्थिति सामान्य हो जाती है। ऐसे में तकरार से बच जाने के कारण घर की सुख-शांति ज्यादा देर तक नष्ट नहीं होती। पति या पत्नी जब जिद पर अड़ कर दूसरे को अपनी इच्छानुरूप चलाने की जबरदस्ती करते है तभी बहस या तकरार का जन्म होता है। दूसरे के व्यक्तित्व को नियंत्रित करने की इच्छा हमारे अंदर अपने अहंकार के कारण पैदा होती है। इस स्थिति की पृष्ठभूमि में डर, अविश्वास व असुरक्षा की भावना छिपी होती है। हीनभावना से ग्रस्त व्यक्ति ही अपने जीवनसाथी को अपने कब्जे में रखने को उत्सुक होता है। ऐसी परिस्थिति में दूसरा व्यक्ति अगर न दबे तो घर में कलह व तकरार होने लगती है। अपने निर्णयों को जीवनसाथी पर थोपने की जिद तकरार को जन्म देती है। अपने जीवनसाथी की इच्छाओं व भावनाओं को समझ कर झुक जाना कमजोरी या हारने का लक्षण नहीं समझना चाहिए। विवाहित जीवन में सुख और खुशियां पाने का अधिकार पति-पत्नी दोनों को ही है। अगर किसी एक का यह हक छिनेगा तो वह प्रतिरोध करेगा ही। सही सीमाओं में अपने-अपने ढंग से अपना जीवन जीने की स्वतंत्रता पति-पत्नी दोनों को एकदूसरे को देनी चाहिए। जब दोनों के व्यक्तित्व का फूल पूरी तरह खिल कर महकेगा तो उनका विवाहित जीवन निश्चित रूप से खुशियों से भर उठेगा। तब आपसी तकरार के लिए न कोई स्थान रहेगा न जरूरत। तकरार में उलझने की बजाय समझदार पति-पत्नी को अपनी शक्ति को समस्या का कोई ऐसा हल ढूंढने में लगाना चाहिए, जिससे दोनों संतुष्ट हो जाए। हमारे दिल को जब भी चोट लगती है तो हमें पीड़ा महसूस होती है। इसकी अभिव्यक्ति इंसान या तो आंसू बहा कर करता है फिर या उसके भीतर क्रोध का लावा उबलने लगता है। कितना भी बचने का प्रयास करें पर कभी न कभी पति-पत्नी के बीच बहस और तकरार हो ही जाती है। ऐसे में उन्हें एक नियम का पालन करने का संकल्प लेना चाहिए। यह नियम कहता है कि अगर तकरार के दौरान किसी एक के द्वारा आंसू या क्रोध का प्रवेश हो जाए तो दूसरे को तकरार उसी क्षण खत्म कर देनी चाहिए।

पुरुषों से क्या चाहती हैं महिलाएं

यह समस्या दुनिया भर के पुरुषों की है। प्राय: समझ नहीं पाते कि महिलाएं उनसे चाहती क्या हैं? वो जब तक प्रेमिका रहती हैं, पुरुष उसे खुश रखने के लिए क्या नहीं जतन करते। शापिंग मॉल से लेकर मल्टीप्लेक्स तक कहां नहीं उसे लेकर जाते। गोलगप्पे वाले से लेकर पेस्ट्री शॉप और एक से बढ़कर जायकेदार व्यंजन परोसने वाले रेस्तरां में लेकर जाना तो आम बात है। तब भी कई बार ऐसे मौके आते हैं कि आप समझ नहीं पाते। उनकी पसंद क्या है। चाकलेट बॉक्स देखकर वह उछल भी सकती है तो कभी मुंह फेर लेती है। हो सकता है वह एक खिला हुआ गुलाब देकर आप उसका दिल जीत लें, मगर यह भी हो सकता है कि बर्थ डे पर फूलों का गुलदस्ता भी उसे पसंद न आए। वाकई मुश्किल है, यह जानना कि उन्हें चाहिए क्या?

तुमसे है हर खुशी अपनी

अपनी लाइफ पार्टनर का दिल जीतना चाहते हैं तो पहले आप उसके दिल में उतरिए। यह उतना आसान नहीं, जितना कि कहना। यह सबसे बड़ा टास्क है। क्योंकि यह काफी कुछ उम्र, माहौल और परिस्थितियों पर भी निर्भर करता है। लेकिन इसमें सबसे अहम यह है कि आप अपने दिल में उमंग बनाए रखिए और अपनी पत्नी या गर्लफ्रेंड में भी वही उमंग पैदा कीजिए। दिल में उतरने का सबसे पहला तरीका यही है कि आप जब भी उनके साथ हों, उन्हें हमेशा प्यार से और लगातार निहारते रहिए। उसे अहसास कराइए कि आपको जीवन में हर खुशी की वजह वही है। तो उसे एक टक निहारते रहिए और कहिए कि तुम बेमिसाल हो। उसकी जैसी कोई नहीं।

उसके चेहरे पर लाए मुस्कान

जब आपने उनसे शादी नहीं की थी तो डेटिंग के दौरान आपने अक्सर कहा होगा कि मैं तुम्हारी मिलियन डालर मुस्कान पर फिदा हूं। मगर यह मुस्कान समय बीतने के साथ मुरझाने लगती है। ऐसा मत होने दीजिए। खुशियां हो या गम, आप उसके चेहरे की मुस्कुराहट को खोने मत दीजिए। अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के क्रम में गंभीर मत बनिए। उससे हंसी-ठिठोली के साथ चुहलबाजी करते रहिए। कुछ ऐसा कहिए कि उसके चेहरे पर मुस्कान खिल जाए या फिर वह हंस पड़े। फिर देखिए खुशियों के फूल कैसे खिल पड़ते हैं। उसे बार-बार याद दिलाएं कि तुम्हारा मुस्कुराता चेहरा मुझे अच्छा लगता है।

तुम हो तो सब कुछ है

अपनी प्रिया को अहसास कराएं कि उसका साथ मिलने से जीवन में हौसला बना रहता है। तुम हो तो सब कुछ है। सब कुछ का मतलब है कि दूसरी कोई भी सुंदर महिला आपके लिए मायने नहीं रखती। लेकिन इस भावना को व्यावहारिक भी बनाइए। क्योंकि आपकी लाइफ पार्टनर इस बात को हमेशा नोटिस लेती है। खास तौर से तब जब उनके साथ कहीं जा रहे हों और कोई खूबसूरत युवती सामने दिख जाए तो आप उसे कनखियों से घूरने लगते हैं। यह सही नहीं है। ड्राइविंग करते समय आपकी नजरें कहां फिसलती है। वह नोट कर रही होती है। महिलाएं चाहती हैं कि उनके हसबैंड सिर्फ उन्हें चाहें, उन्हें निहारें और उनकी तारीफ करें। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। जब वह तन-मन से समर्पित होकर आपसे प्यार करती है, तो यह उसका अधिकार है।

क्या खूब लगती हो

अपनी बेस्ट हाफ की तारीफ करने को कोई भी मौका जाने मत दीजिए। उसकी हमेशा प्रशंसा कीजिए। उसके हाथों से बने खाने की सराहना करना कभी मत भूलिए। उसे बताएं कि आज तुमने स्वादिष्ट खाना बनाया, मन तृप्त हो गया। कभी खाना बेस्वाद भी लगे तो निंदा मत कीजिए, चुपचाप खा लीजिए। पत्नी की सुंदरता की अक्सर प्रशंसा कीजिए। उसे कहिए, आप तुम खिली-खिली सी दिख रही हो, या फिर तुम साड़ी या जींस में बड़ी स्मार्ट दिखती हो या फिर तुम्हारे शारीरिक सौंदर्य के आगे शकीरा क्या चीज है। उसके कजरारे नयनों की तारीफ करते हुए उसके नयनों में डूब जाइए। लेकिन इस फेर में ज्यादा चिपकिए मत। महिलाओं को स्पेस भी चाहिए।

सुनिए उसके दिल की बात

लेकिन सिर्फ तारीफ करने से बात नहीं बनती। अपनी बेस्ट हाफ की दिल की बात सुनिए। उसे कोई समस्या तो नहीं? जब घर दफ्तर से लेकर आप खुद परेशान होते हैं तो वैसी ही समस्या उसके साथ भी हो सकती है। समस्या छोटी हो या बड़ी, उसे जरूर सुनिए। तभी उसे लगेगा कि आप उसका कितना ख्याल रखते हैं। यह न सोचिए कि वह तिल को ताड़ बना रही है। बच्चा बीमार है, महरी से कोई प्राब्लम है। क्या पैसे की कोई कमी है। सब कुछ जानिए, उन्हें हल करने का प्रयास कीजिए। उसे अहसास कराते रहें कि उसकी कोई भी समस्या सुनने के लिए हरदम तैयार हैं। अगर वह कोई समस्या खुद हल करना चाहती है तो उसे हल करने दीजिए। लेकिन कहां गड़बड़ी है, उसे जरूर बताइए। उसकी बात सुनें तो पहले मोबाइल एक तरफ रख दीजिए। अखबारों से ध्यान हटाइए, क्रिकेट मैच देख रहे हैं तो कुछ देर के लिए टीवी बंद कर दीजिए। उनकी बात पूरे ध्यान से सुनिए। अनसुनी मत कीजिए। अनसुनी करेंगे तो वह समझेगी कि आप उसे इग्नोर करते हैं।

तेरा मेरा साथ रहे

बात शापिंग की हो या कोई बड़ा फैसला करने की, आप हमेशा उनसे जरूर पूछिए। साथ ही शापिंग करें तो इससे अच्छी बात नहीं। बात जब फ्रिज, एलसीडी टीवी, कम्प्यूटर, एसी या कार खरीदनी हो तो उन्हें भी साथ ले जाइए। उनकी राय और च्वाइस भी पूछिए। उन्हें अच्छा लगेगा कि आप उनकी पसंद-नापसंद का कितना ख्याल रखते हैं। बजट बताइए और उसी हिसाब से हर महीने शॉपिंग कीजिए, ऐसा न हो चादर से बाहर पैर फैला दें फिर खर्चे के लिए तकरार हो। ऐसी नौबत नहीं आए, इसलिए मिल कर बनाएं बजट। यानी हर बात में हो उनका साथ, यह ख्याल रखिए।

बाप के भी बाप हैं आजकल के बच्चे

समय था जब बच्चे उतना ही जानते थे जितना उनके मां-बाप या घर परिवार वाले सिखाते थे। लेकिन आजकल के बच्चे तो अच्छे-अच्छों को चला दें। जितना ज्ञान, जितनी जानकारी आजकल के बच्चों को है उतनी तो उनके मां-बाप में भी नहीं हैं। सच तो यह है कि आज कितनी ही चीजें ऐसी हैं जिनमें बच्चे मां-बाप से आगे हैं तथा मां-बाप को भी कितनी सारी चीजें अपने बच्चों से सीखनी पड़ती हैं। बच्चों को अंगुली पकड़कर चलना तथा बोलना सिखाने की देरी है फिर तो उन्हें पकड़ना व चुप कराना दोनों ही टेढ़ी खीर हैं। यह आजकल के बच्चे हैं, कल के पुराने बच्चे नहीं जो हर बात पर मां-बाप की ओट तलाशें। बोलते कम हैं करते ज्यादा हैं और यदि एक बार बोलना शुरू हो जाएंतो इनको चुप कराना मुश्किल हैं। सवाल भी करते हैं तो ऐसे-ऐसे कि अच्छे-अच्छे गच्चा खा जाए और यदि उत्तर देने पर आ जाएं तो अच्छे-अच्छों की छुट्टी कर देंते है। जहां बचपन में एक ओर बच्चों को कपड़े पहने का सलीका नहीं होता था वहीं आज के बच्चे न केवल अपने कपड़े खुद सलेक्ट करते हैं बल्कि कपड़ों की मैचिंग के साथ खूब सजना-संवरना तथा स्टाइल सेट करना भी जानते हैं। और तो और मां-बाप को बताते हैं कि वह कब, क्या, कैसे और किस ब्रांड के कपड़े पहनें। कंप्यूटर, मोबाइल तो उनके लिए बाएं हाथ का खेल हैं। जो चीज आज के मां-बाप को नहीं पता होगा वह बच्चों को पता होगा। मोबाइल के फंक्शन हों या कम्पयूटर के प्रोग्राम, सभी कुछ बच्चे अपने मां-बाप को सिखाते व गाइड करते देखे जा सकते हैं। बाप अपने बच्चों को बालिग होने से पहले कार या बाईक थमाते नहीं ते, न ही बच्चे खुद चलाते थे लेकिन आज के बच्चे पैर ब्रेक तक पहुंचने का इंतजार करते हैं फिर उम्र कोई भी हो उठाई बाईक और चल दिए। न केवल खुद घूमते हैं बल्कि मां-बाप को भी खूब घुमाते हैं। कार का स्टेरिंग संभालने का शौक तो जैसे वह बचपन से लेकर ही पैदा होते हैं। गाडियों कि जितनी लेटेस्ट जानकारी बच्चों के पास होती है उन सब से मां-बाप अनजान होते हैं। इतना ही नहीं आज के बच्चे जरूरत से ज्यादा बोल्ड, कॉन्फिडेंट और एडवांस हैं। मां-बाप जिन्होंने कभी प्यार-व्यार नहीं किया थायूं कहें उनका प्यार कॉलेज के दिनों शुरू होता था वहीं आजकल के बच्चों का प्यार कॉलेज से पहले ही कई अफेयर से गुजर चुका होता है। और तो और अपनी शादी की बातें भी वह अपने मां-बाप व घर-परिवार वालों के सामने खुल्ले आम कर लेते हैं। कई बार तो ऐसा होता है कि बच्चे शादी पहले करते हैं मां-बाप को बाद में बताते हैं। एक समय था जब शराब-सिगरेट पीना, होटलों में नाचना आदि ऐब समझा जाता था, लेकिन आज ऐसा करके बच्चे अपने को मार्डन तथा मां-बाप को बैकवर्ड समझते हैं।

वुडन बेंगल्स पहनना लगे सबको प्यारा

कॉलेज तक का सफर छात्र-छात्राओं के लिए उत्साह का होता हैं। कॉलेज की दहलीज पर पैर रखे नहीं कि नए कपड़े, नए जुते, नया स्टाईल नया लुक उनकी दिनचर्या में शामिल हो जाता हैं। उनको हर दिन पहनने को कुछ नया चाहिये अन्यथा वो अपने आप को आउट टेडिट समझते हैं। मार्केट में भी युवतियों को ध्यान में रखते हुए नए-नए आईटम्स आए-दिन दिखाई देते हैं। कुछ ऐसा ही आईटम जो आज युवाओं के बीच काफी प्रसिद्ध है वह है वुडन बेंगल्स। चाहे जींस-टॉप हो या सलवार कमीज या फिर कोई अन्य परिधान वुडन बेंगल्स गर किस्म के परिधान के साथ फिट बैठते हैं। जिसके कारण सभी लड़कियां वुडन बेंगल्स पहनना इन दिनों पंसद कर रही है। सबसे पहले ये बेंगल्स फिल्मों में इस पैर्टन के बेंगल्स देखते हैं तब इनको बहुत अच्छा लगता हैं, अब जब यह मार्केट में आए तो सबसे पहले खरीदने जाती हैं। कॉलेज लड़किया हो या फिर काम पर जाने वाली महिलाए वह भी इनको काफी पंसद कर रही है। इस तरह के बेंगल्स यदि कॉलेज में पहनकर जाओ तो अच्छा लगता हैं और सभी पूछते भी है। यह वुडन बेंगल्स जितने आकर्षक और सुंदर दिखते हैं इनकी कीमत उतनी ही कम है जो बीस रूपए से शुरू होकर पैंतीस रूपए तक जाती हैं। जो कॉलेज लड़कियों के लिए एक प्रमुख वजह हैं। ज्यादातर वुडन बेंगल्स ही खरीदते है जो हर कपड़ों के कलर से मैचिंग बेंगल्स ही पसंद आते है।

आरती सिंह की होने जा रही है शादी

बिग बॉस 13 की कंटेस्टेंट आरती सिंह की शादी होने वाली है। 25 अप्रैल वो नवी मुंबई बेस्ड बिजनेसमैन दीपक चौहान संग सात फेरे लेंगी। आरती और दीपक की शादी बहुत ठाठ-बाट से नहीं हो रही है। उन्होंने स्पेशल दिन के लिए एक खास जगह को चुना है।

दोनों इस्कॉन मंदिर में सात फेरे लेंगे। इस दौरान आरती के करीबी, उनका भाई कृष्णा अभिषेक, उनकी वाइफ कश्मीरा शाह और मामा गोविंदा भी शामिल होंगे। कश्मीर ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में कहा कि वो आरती की शादी में गोविंदा के आने की उम्मीद है और वो अपने ससुर से मिलने के लिए एक्साइटेड हैं। गोविंदा और कृष्णा अभिषेक के बीच जुबानी जंग हुई थी। इस जंग में कृष्णा की बीवी कश्मीरा और गोविंदा की वाइफ सुनीता भी कूद गई थीं, जिसके बाद ये विवाद और ज्यादा बढ़ गया और इसके बाद परिवार में दरार आ गई। बता दें कि आरती सिंह अपनी जिंदगी का नया चैप्टर शुरू करने जा रही हैं।

बंद कमरे में शूट के दौरान हो जाते थे बेहोश: शेखर

एक्टर ने बताया कैसे बना था शो देख भाई देख

मशहूर एक्टर शेखर सुमन ने अपने ताजा इंटरव्यू में टीवी के प्रसिदध शो देख भाई देख को लेकर बात की। शेखर सुमन ने बताया कि शो की कास्ट और क्रू बिना पंखे और एयर कंडीशनर के मेहनत से काम किया करते थे। उन्होंने कहा, वो लोग 10 से 20 मिनट के लंबे शॉट लेते थे। चारों तरफ से दरवाजे बंद थे।

ये पहली बार था जब हम मल्टी-कैम के साथ शूटिंग कर रहे थे। वहां बड़ी-बड़ी लाइट्स थीं। कोई पंखा और एयर कंडीशनर नहीं था। आदमी भुन कर, तल कर, बर्बाद होकर बाहर निकलता था। लेकिन किसी ने शिकायत नहीं की। उन्होंने आगे बताया, जब मैं अपनी साथी एक्टर को क्यू देने के लिए मुड़ा तो मैंने देखा कि वो बेहोश हो गई हैं। फिर मैंने फरीदा जी की तरफ देखा, तो वो भी जमीन पर पड़ी थीं। शेखर ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत गिरीश कर्नाड की फिल्म उत्सव से की थी। इसमें उनके साथ रेखा, शंकर नाग, अमजद खान और शशि कपूर थे। इसके बाद अपने टॉक शो मूवर्स एंड शेकर्स, सिंपली शेखर और कैरी ऑन शेखर से उन्हें पहचान मिली। बाद में शेखर ने कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज और कॉमेडी सर्कस में बतौर जज काम किया। पिछली बार उन्हें संजय दत्त और अदिति राव हैदरी स्टारर फिल्म भूमि में देखा गया था।

इस दिन रिलीज होगी हीरामंडी अब शेखर सुमन, भंसाली की हीरामंडी में दिखेंगे। इसमें उनके साथ मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख संग अन्य हैं। इस शो में शेखर सुमन के बेटे अध्ययन भी काम कर रहे हैं। उन्हें नवाब जोरावर के रोल में देखा जाने वाला है। हीरामंडी, 1 मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। बता दें कि शेखर सुमन जल्द ओटीटी पर डेब्यू करने वाले हैं। डायरेक्टर संजय लीला भंसाली

की वेब सीरीज हीरामंडी में शेखर को नवाब जुल्फिकार का किरदार निभाते देखा जाएगा। अपने करियर में शेखर सुमन ने बॉलीवुड की फिल्मों के साथ-साथ कई हिट टीवी शो में भी काम किया है।

नोरा को है अपनी बॉडी पर गर्व

यूं तो नोरा फतेही जहां भी जाती हैं सुर्खियां बटोर ही लेती हैं। इन दिनों वो अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल नोरा ने एक बातचीत के दौरान कहा कि उन्हें तो अपनी बॉडी पर गर्व है। अपनी बॉडी को लेकर नोरा ने खुलकर बात की और कहा, सौभाग्य से मेरे पास एक अच्छी बॉडी है और मुझे अपने एसेट्स पर गर्व है। मैं इस पर बिल्कुल भी शर्मिंदा नहीं हूं। यहां बतला दें कि नोरा फतेही अपकमिंग फिल्म में हॉउसफुल 5 और साजिद खान के निर्देशन में बन रही फिल्म 100 परसेंट में नजर आने वाली हैं। उनकी बॉडी को लेकर भी अब चर्चा आम हो गई है, क्योंकि फिटनेस के मामले में नोरा किसी से कम नहीं हैं और लोग उन्हें इस वजह से भी ज्यादा पसंद करते हैं।

द साबरमती रिपोर्ट के मेकर्स ने रिलीज की तारीख का किया ऐलान

आचार संहिता के कारण हुई पोस्टपोन

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म द साबरमती रिपोर्ट के टीजर में वो दिखाने की कोशिश हुई थी, जो 22 साल तक लोगों के नजरो से छुपा हुआ था। टीजर आते ही लोगों के बीच में एक चर्चा शुरू हो गई। वह इसकी सच्चाई जानने के लिए आतुर हो गए। इसकी रिलीज का इंतजार करने लगे कि कब वह इसे देखें और घटना के बारे में सबकुछ जानें और देखें तो इस इंतजार को खत्म करते हुए, अब मेकर्स ने रिलीज की तारीख का ऐलान कर दिया है, जिससे उत्साह और बढ़ने की उम्मीद है। बताया जा रहा है कि बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा जब सेंसर सर्टिफिकेट के लिए फिल्म सबमिट की गई तो उन्हें रिलीज की तारीख बदलने के बारे में कॉल आया था। क्योंकि ये मूवी पहले 3 मई, 2024 को थिएटर्स में रिलीज हो रही थी। मगर लोकसभा चुनाव के दौरान इसे रिलीज करने पर, मेकर्स को भारत में आचार संहिता के कारण

समस्याओं का सामना करना पड़ सकता था। इसलिए उन्होंने 2 अगस्त, 2024 को फिल्म को रिलीज करने का फैसला किया। ऐसे में फिल्म की रिलीज से पहले अब सभी की निगाहें इसके ट्रेलर पर टिकी हुई हैं। बता दें कि 2002 को गुजरात के गोधरा रेलवे स्टेशन के पास साबरमती एक्सप्रेस में हुई घटना पर फिल्म आ रही है, जिसका नाम द साबरमती रिपोर्ट है। इसका टीजर 27 को रिलीज किया गया था, जिसमें खौफनाक मंजर देखने को मिला था। उस छोटी-सी झलक ने दर्शकों को पूरी तरह से हैरान कर दिया था। फिल्म का टीजर पावरफुल और इंटेंस था, जिसने दर्शकों को इस कहानी को जानने के लिए और उत्सुक कर दिया था। हालांकि ये मूवी कब आएगी, इसकी जानकारी नहीं दी थी। मगर अब इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है।

लिव-इन रिलेशनशिप सोनी राजदान ने किया जीनत अमान का बचाव

लिव-इन रिलेशनशिप के बारे में बालीवुड एक्ट्रेस आलिया भटट की माताश्री सोनी राजदान ने जीनत अमान का सपोर्ट करते हुए मुकेश खन्ना को जवाब दिया- हे भगवान, हम सोच भी नहीं सकते कि अगर कोई कपल लिव इन रिलेशनशिप में साथ रहे और उनकी आपस में नहीं बनीं, तो क्या होगा? ये सोचकर तो दिमाग चकरा जाता है।

वहीं कई यूजर्स सोनी को मुकेश खन्ना की बातों पर ध्यान न देने की सलाह दे रहे हैं। इस पर पहले वेटरन एक्ट्रेस मुमताज और सायरा बानो ने तंज कसा। अब मुकेश खन्ना के आपत्ति जताने पर सोनी राजदान ने उन्हें जवाब दिया है। एक इंटरव्यू के दौरान मुकेश खन्ना ने जीनत की सलाह से आपत्ति जताते हुए कहा- ये हमारा कल्चर नहीं है। जीनत अमान ने शुरुआत से ही पश्चिमी सभ्यता के हिसाब से जिंदगी जी है, लेकिन उन्हें समझना चाहिए कि लिव-इन रिलेशनशिप को भारतीय संस्कृति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

जीनत अमान जिस बारे में बात कर रही हैं कि लड़का और लड़की शादी से पहले साथ रहकर एक-दूसरे के बारे में जानेंगे, पर ये तो स्वीकार्य ही नहीं है। अगर लड़का और लड़की, पति-पत्नी की तरह साथ रहेंगे और उनके बीच बात नहीं बनी तब क्या होगा? ऐसे में जो लोग ऐसी बातें कह रहे हैं, उन्हें सोच समझकर बोलना चाहिए। बता दें, कुछ दिनों पहले ही जीनत अमान ने सोशल मीडिया पर एक बड़ा पोस्ट शेयर किया था। पोस्ट में उन्होंने कपल्स को शादी से पहले लिव-इन में रहने की सलाह दी थी। बता दें कि जीनत अमान के पोस्ट पर छिड़ी जुबानी जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। जीनत ने एक पोस्ट के जरिए लिव-इन रिलेशनशिप में रहने की सलाह दी थी।

'कल्कि 2898 एडी' से अमिताभ का फर्स्ट लुक टीजर रिलीज

बिगबी बोले- मेरे अंतिम युद्ध का समय आ गया है

बालीवुड की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' से अमिताभ बच्चन का फर्स्ट लुक टीजर रिलीज हो चुका है। टीजर में अमिताभ एक छोटे बच्चे से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। 1 मिनट के इस टीजर में अमिताभ, गुरू द्रोणाचार्य के पुत्र अश्वत्थामा के किरदार में नजर आ रहे हैं।

टीजर में बच्चा बिगबी से पूछ रहा है कि वो कौन हैं? यह बच्चा भगवान शिव की आराधना कर रहे अमिताभ के पास आकर खुद को इंट्रोड्यूस करता है। वह कहता है कि मैं राया हूं। आप कौन हैं? क्या यह एक मंदिर है ? क्या आप भगवान हैं? उसे जवाब देते हुए अमिताभ कहते हैं- 'सुनो मेरा समय आ गया है। मेरे अंतिम युद्ध का समय आ गया है।' इसके बाद वह बच्चा पूछता है- आप हैं कौन ? तब टीजर के अंत में अमिताभ कहते हैं- 'द्वापर युग से 10वें अवतार की प्रतीक्षा कर रहा मैं गुरू द्रोण का पुत्र अश्वत्थामा हूं।'एक मिनट के इस टीजर का सबसे खास सीन वो है जिसमें अमिताभ बच्चन के यंग लुक को दिखाया गया है। इसी सीन को डी-एजिंग टेक्नोलॉजी के जरिए शूट किया गया है। इससे

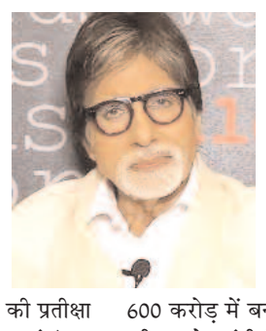

साफ है कि फिल्म में अमिताभ के किरदार अश्वत्थामा की बैक स्टोरी भी दिखाई जाएगी। फिल्म में अमिताभ के अलावा प्रभास, कमल हासन, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।यह फिल्म कई भाषाओं में इस साल 9 मई को रिलीज होने वाली थी पर इसे पोस्टपोन कर दिया गया है। हालांकि, मेकर्स ने अब तक इसकी नई रिलीज डेट अनाउंस नहीं की है। बजट के लिहाज से देखें तो 600 करोड़ में बनी कल्कि 2898 एडी इस साल की सबसे महंगी फिल्म है। इसे तेलुगु सिनेमा के जाने-माने डायरेक्टर नाग अश्विन ने बनाया है। मेकर्स ने पिछले साल अमेरिका में हुए सैन डिएगो कॉमिक कॉन में इस फिल्म का टीजर रिलीज किया था।

कमल हासन ने कर दिया था जेंटलमैन में काम करने से इंकार

एक्टर ने किया खुलासा, साउथ की फिल्म जेंटलमैन जो 1993 में आई थी

साउथ की फिल्म जेंटलमैन जो 1993 में आई थी, उसकी आलोचना इसलिए की गई थी क्योंकि इसमें एक ऊंची जाति के लड़के को मेडिकल सीट नहीं मिलने पर आत्महत्या करते हुए दिखाया गया था। इस बारे में कमल हासन ने खुलासा किया कि उन्होंने इसी कारण से फिल्म करने से इनकार कर दिया था।

एक पुराने इंटरव्यू में कमल हासन ने दावा किया था कि वह ऐसी फिल्में नहीं करते जो उनकी विचारधारा से मेल नहीं खातीं। यह पूछे जाने पर कि इंडियन करते समय कैमरे के पीछे उन्हें कैसा महसूस हुआ, तो एक्टर ने कहा, अगर फिल्मों को लेकर मेरी राय और विचारधारा में मतभेद होता है तो मैं उस प्रोजेक्ट को करने से मना कर देता हूं और दूर हो जाता हूं। उदाहरण के लिए, शुरुआत में, शंकर की जेंटलमैन की कहानी एकदम अलग थी। यह एक ब्राह्मण लड़के के उग्रवादी होने के बारे में थी। मैंने कहा कि मैं ये नहीं कर सकता और मना कर दिया। मैंने उनसे कहानी बदलने के लिए भी कहा था। और वह ऐसा करने भी जा रहे थे। बाद में मुझे एहसास हुआ कि उन्होंने ऐसा किया। इंटरव्यू में कमल हासन ने 90 के दशक की अपनी दूसरी हिट फिल्म इंडियन के बारे में भी बात की। एक्टर ने खुलासा किया कि उन्हें फिल्म से भी दिक्कत थी, लेकिन उन्होंने कहा कि लोगों ने इसे पूरे दिल से अपनाया। जहां तक इंडियन का सवाल है, यह उन समस्याओं से संबंधित है जिनका मैंने अपने वास्तविक जीवन में सामन किया था।

विचारधारा से जुड़े बगैर, आप कोइ फिल्म नहीं कर सकते। खासकर तब औ मुश्किल हो जाएगा, जब आप सुबह 4 बजे उठकर, बिना खाए शूटिंग पर जाएंगे। जं फिल्म आपको पसंद नहीं है उसके लि आप वो सब नहीं कर सकते। हालाँकि फिल्म को लेकर मेरे कुछ मुद्दे थे, लेकि मुझे यकीन था कि लोग इसे स्वीका करेंगे। मैंने पाया कि फिल्म में फासीवा की आवाज बुलंद थी। इसके अलावा, मुझ फिल्म पसंद है। यह फिल्म कई नागरिक का एक सपना है-एक उम्मीद है कि इस तरह का न्याय संभव है। बता दें कि साउथ डायरेक्टर शंकर की जेंटलमैन औ अन्नियन बॉक्स ऑफिस पर तो हिट साबि हुई, लेकिन ज्यादा लंबे समय तक थिएट में नहीं रही। सालभर में, दोनों फिल्मों क आलोचना का सामना करना पड़ा है।

विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया

व्ही.बी.डी. सलाहकार श्री कटारे ने मलेरिया धनात्मक पाए गए रोगियों की संख्या पर प्रकाश डाला

धार। विश्व मलेरिया दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष मलेरिया दिवस की थीम - अधिक न्यायसंगत दुनिया के लिए मलेरिया के खिलाफ लड़ाई को तेज करना, विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर वाहक जनित रोग नियंत्रण गतिविधिया जैसे - शपथ ग्रहण, कार्यशाला, बुखार का सर्वे, मलेरिया से बचाव , जांच सुविधा, उपचार, मच्छरदानी के उपयोग के संबंध में ग्रामीण क्षेत्रों में आशा कार्यकर्ता द्वारा स्लोगन लेखन, मच्छर के लार्वा उत्पति स्थल जल जमाव वाले स्थानों का सर्वे जैसी एक्टिविटी जिले में की जाएगी।

विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर जिला व्ही.बी.डी. सलाहकार आर कटारे ने पिछले पांच वर्षों में जिले में किए गए बुखार के रोगियों की मलेरिया जांच की संख्या और जांच के दौरान धार जिले में मलेरिया धनात्मक पाए गए रोगियों की संख्या पर प्रकाश डाला गया । पिछले पांच सालों में मलेरिया की स्थिति (1)वर्ष - 2019 मे बुखार के रोगियों की जांच संख्या= 2,99,288 मलेरिया धनात्मक पाए गए रोगियों की संख्या=265 (2) वर्ष 2020 मे बुखार के रोगियों की जांच संख्या=282659 मलेरिया रोगियों की संख्या=218 (3) वर्ष 2021 मे बुखार के रोगियों की जांच संख्या=320926, मलेरिया धनात्मक पाए गए रोगियों की संख्या=105 (4) वर्ष 2022 में बुखार के रोगियों की जांच संख्या=360131 , मलेरिया पाए गए रोगियों की संख्या=57 (5) वर्ष 2023 में बुखार के रोगियों की जांच संख्या=3,98,752 मलेरिया पाए गए रोगियों की संख्या=39 इस वर्ष =2024 में जनवरी से 31 मार्च तक कुल 83929 बुखार के रोगियों की मलेरिया जांच की गई है। जिसमे अभितक जिले में 3 मलेरिया के केस दर्ज हुए हैं।

जिला मलेरिया अधिकारी श्री धर्मेंद्र जैन ने बताया कि धार जिले में निरंतर मलेरिया के रोगियों की संख्या मे कमी आई है इसका मुख्य कारण हमारे मैदानी स्वास्थ कार्यकर्ता एव सभी शासकीय स्वास्थ केंद्रों पर बुखार के रोगियों की समय पर रेपिड कीट तथा रक्त पट्टी बनाकर तत्काल जांच की जा रही है। और मलेरिया पाए जाने पर मरीज को समय पर उपचार दिया जाता है। विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एन. एस.गेहलोद द्वारा जनहित में अपील की गई हैं की मलेरिया फैलाने वाले मच्छर साफ और रुके हुए पानी में पैदा होते हैं।

इस लिए सभी अपने घरों में रखे पानी के पात्रों को प्रति सप्ताह साफ कर पानी भरे अपने घरों के आस पास जल जमाव न होने देवे कूलर, पानी की टंकी, पशु पक्षी के पीने के कंटेनर को साफ करके फिर से पानी भरे, पानी से भरे पात्रों को ढक कर रखें। शासन द्वारा मलेरिया एलिमिनेशन के लिए जिले में लगातार प्रभावित क्षेत्र में प्रतिबंधात्मक कारवाही की जा रही है। बुखार से पीड़ित रोगियों की मलेरिया जांच व उपचार ,कीटनाशक दवा छिड़काव, मलेरिया प्रभावित उप स्वास्थ केंद्रों में निशुल्क मच्छरदानी का वितरण किया । लोगो में मलेरिया बीमारी के प्रति जन जागरूकता अभियान शुरू करना, मीडिया, टीवी, न्यूज चैनल दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से मच्छर से होने वाले रोगों की जानकारी आम जन तक आसानी से मिलने से जागरूकता आई है।

10 वीं एवं 12 वीं के बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित

कलेक्टर एवं जिपं. सीईओ ने परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएँ

अनूपपुर। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट 2023-24 के परीक्षा परिणाम बुधवार को घोषित किए गए। जिले का हाईस्कूल का बोर्ड परीक्षा परिणाम 70.29 प्रतिशत और हायर सेकेण्डरी का बोर्ड परीक्षा परिणाम 75.98 प्रतिशत रहा। अनूपपुर जिले ने 10 वीं की परीक्षा में प्रदेश की सूची में पांचवां स्थान तथा कक्षा 12 वी में चौथा स्थान अर्जित किया। अनूपपुर जिला शहडोल संभाग में प्रथम स्थान पर रहा।

जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार हाईस्कूल 10 वीं की जिला स्तरीय मेरिट सूची में लिटिल एन्जल्स कान्वेन्ट स्कूल राजनगर की छात्रा जीनत सिद्दीकी पिता श्री रमजान अली सिद्दीकी ने 475 अंक अर्जित कर प्रथम स्थान, शासकीय मॉडल उ.मा. विद्यालय कोतमा की छात्रा गायत्री केवट पिता श्री धरम दास केवट ने 468 अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान, सरस्वती उ.मा. विद्यालय कोतमा के छात्र धनंजय शुक्ला पिता श्री राजेश शुक्ला तथा शासकीय उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय अनूपपुर के छात्र धीरज पाण्डेय पिता श्री सत्यनारायण पाण्डेय ने 466 अंक अर्जित कर तृतीय स्थान अर्जित किया है। हायर सेकेण्डरी स्कूल 12 वीं की जिला स्तरीय मेरिट सूची में शासकीय बालक उ.मा. विद्यालय कोतमा के छात्र धनेष्वर सिंह पिता श्री सुमेर सिंह ने 474 अंक अर्जित कर प्रथम स्थान, शासकीय उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय अनूपपुर की छात्रा रोहणी सिंह राठौर पिता श्री श्याम बिहारी राठौर ने 466 अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान तथा विवेक शिक्षा निकेतन उ.मा. विद्यालय कोतमा की छात्रा दीपिका सिंह पिता श्री रामजीत सिंह ने 462 अंक अर्जित कर तृतीय स्थान अर्जित किया है।

मतदान ड्यूटी वितरण के दौरान शहर की यातायात व्यवस्था एवं पार्किंग प्लान

अनुपपूर। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में मतदान दलो की ड्यूटी वितरण एवं , वितरण उपरांत दल रवाना होंगे !हन पॉलिटेक्निक कॉलेज से मत पेटियां एवं सामग्री लेकर जिले के सभी मतदान केंद्रों को रवाना होंगे इस दौरान शहर की यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था निम्नानुसार रहेगी7

1. **चंदास नदी पुल के आगे बाईं ओर दोपहिया वाहन पार्किंग:-** मतदान ड्यूटी में लगे समस्त अधिकारी कर्मचारी जो दो पहिया वाहन से ड्यूटी हेतु आएंगे उनके , वाहन , चंदास नदी पुल से आगे पॉलिटेक्निक ग्राउंड

पार्किंग स्थल में पार्क होंगे

2. **हेलीपैड मैदान चार पहिया वाहन पार्किंग:-** मतदान ड्यूटी में आने वाले सभी अधिकारी, कर्मचारियों के चार पहिया वाहन हेलीपैड मैदान में पार्क होंगे 7
3. प्रतिबंधित मार्ग:- चदासनदी पुल से पॉलिटेक्निक कॉलेज होते हुए अमरकंटक रोड की ओर जाने वाला मार्ग आम यातायात हेतु प्रतिबंधित रहेगा 7
4. **निर्धारित मार्ग:-** मतदान ड्यूटी हेतु आने वाले समस्त दुपहिया वाहनो का प्रवेश , चंदास नदी की तरफ से होगा तथा समस्त प्रकार के चार पहिया वाहन हेलीपैड तरफ से आएंगे 7 तथा ड्यूटी वितरण उपरांत सभी विधानसभा क्षेत्र के वाहन हेलीपैड तरफ से रवाना होंगे 7
5. **नो एंट्री समय परिवर्तन:-** शहर में भारी वाहनों का प्रवेश प्रातः 6:00 बजे से प्रतिबंधित रहेगा।

नशे की जद में बचपन

उमरिया। नशे का कारोबार इन दिनों काफी तेजी से फल-फूल रहा है.लेकिन हैरत की बात ये है कि इसके जद में अब देश का भविष्य भी गिरफ्त में आ रहा है। कुछ ऐसी ही तस्वीर उमरिया में देखने को मिल रही है। जहां 7-12 वर्ष तक के छोटे-छोटे बच्चे एक अलग तरह की नशा करते दिख रहे हैं। ये गरीब मासूम बच्चे जिनके हाथों में कलम कॉपी और पेंसिल होनी चाहिए थी अब उनके हाथों में नशा के लिए बोनफिक्स,सुलेशन जैसी चीजें दिखाई दे रही है।

आज सुबह ही सब्जी मंडी इलाके में दो बच्चे पॉलिथीन में बोनफिक्स और सुलेशन डाल कर अपने मुंह और नाक से उसे खिंच कर नशे की जद में जा रहे थे .इन नौनिहालों को नहीं पता है कि ये सांसे उनकी लंबी सांसों को धीरे धीरे बंद करने वाली है.जब इन बच्चों से हमने बातचीत किया और उन्हें इस बूरी लत से बचने को समझाने लगे तो ये नशा करते बच्चे का कहना है कि दोस्तों ने पीना सिखाया है बोलते थे मीठा लगता है उस समय से ही पी रहे हैं। उन्होंने बताया चंदिया के निवासी हैं कछरवार में टेंट वाले के यंहा काम करते हैं उससे जो पैसा मिलता है तो बोनफिक्स सूंघते हैं.इसके अलावा भी लोरहा चंदिया आदि जगहों से जिला मुख्यालय में भिक्षावृत्ति व कबाड़ आदि बीनने का काम करते हैं, वह बड़ी तादाद में इस नशे की गिरफ्त में हैं। अब देखा-देखी इस तरह का नशा करने वाले बच्चों की संख्या बढ़ रही है।

आसानी से होता है उपलब्ध

बोनफिक्स और सूलेशन एक ट्यूब है, जिसका इस्तेमाल रबर, प्लास्टिक और शीशा चिपकाने और पंचर बनाने में होता है। ये बोनफिक्स और सूलेशन ट्यूब आसानी से जनरल स्टोर्स व साईकल दुकानों पर मिल जाती है और इसकी कीमत भी बहुत ज्यादा नहीं है 5 - 10 रुपए में यह मिल जाती है। बच्चे और युवा इस ट्यूब को टिश्यू पेपर पर निकालकर उन्हें सूंघते हैं, जिससे उन्हें नशा होता है। जैसे ही नशे का असर कम होता है, फिर से बोनफिक्स लगे इन टिश्यू पेपर,प्लास्टिक को सूंघ लेते हैं।

जागरूकता की है आवश्यकता : बोनफिक्स आदि का नशा तंत्रिका तंत्र पर असर करता है। टीनएजर्स इस तरह के नशा का सेवन ज्यादा कर रहे हैं। ऐसे में बहुत ज्यादा मात्रा में ये नशा करने पर बच्चे मानसिक रूप से बीमार हो रहे हैं। वहीं इस नशे से बच्चे अपराध की दुनिया में भी दाखिल हो रहे हैं क्योंकि इस नशे से उत्तेजना भी होती है। इसका सेवन करने के बाद बच्चे थोड़ी देर तक मानसिक रूप से सुस्त और बेहोशी की हालत में रहते हैं। ये नशा युवाओं को लिवर और किडनी जैसे अंगों को भी बुरी तरह प्रभावित कर रहा हैं। वहीं जब इस संबंध में स्थानीय लोगों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि इस जगह पर सिर्फ छोटे बच्चे ही नहीं इस तरह का नशा करते हैं बल्कि भारी संख्या में जवान भी इस नशा का सेवन धड़ल्ले से करते हैं.लोगों ने बताया कि ये बच्चें ही चोरी करते हैं.थोड़े से पैसा के लिए समान चुरा कर बेचते हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी मानपुर की तानाशाही से दर दर भटक रहे पंचायत कालीन कर्मचारी

उमरिया। नगर परिषद मानपुर के सीएमओ भूपेंद्र सिंह के तानाशाही के चलते ग्राम पंचायत कालीन कर्मचारी वेतन के लिए दर-दर भटक रहे हैं रोज उनके द्वारा लगातार कार्यालय का चक्कर लगाकर आवेदन दे कर अपनी और अपने परिवार की समस्या से अवगत करा रहे एवम वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश उपरांत भी आज दिनांक तक वेतन ,संविलियन , एवम कार्य विभाग के लिए 3 सालो से भटक रहे है वही देखा जाए तो सीएमओ मानपुर और अध्यक्ष नगर परिषद मानपुर के तानाशाही व लापरवाही का आलम यह है की पंचायत कालीन कर्मचारी के वेतन व कार्य विभाग के संबंध में दिनांक 15,12,2022 को पत्र क्रमांक 2512 सयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवम विकाश शहडोल संभाग शहडोल के द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद मानपुर को निर्देशित किया गया था कि जब तक पंचायत कालीन कर्मचारियों के संविलियन की कार्यवाही पूर्ण नहीं हो जाती है कब तक इनको ग्राम पंचायत से प्राप्त हो रहे वेतन के आधार पर कार्य में रखकर इनको कार्यलिन काम लेकर इनका वेतन का भुगतान किया जाए जिसका पालन न करने तथा वेतन भुगतान न करने पर पंचायत कालीन कर्मचारियों द्वारा दोबारा संयुक्त संचालक नगरी प्रशासन एवं विकास शहडोल संभाग शहडोल को आवेदन देकर अपनी व्यथा बताई गई जिसमें दिनांक 25 1 2024 को पत्र क्रमांक 125 के माध्यम से पुणे मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद मानपुर को संयुक्त संचालक नागरिक प्रशासन एवं विकास शहडोल संभाग शहडोल के द्वारा प्रार्थी वीरेंद्र कुमार द्विवेदी प्रदीप कुमार तिवारी केशव प्रसाद विश्वकर्मा संजीत कुमार भाषा शेख निसार के वेतन एवं संविलियन के संबंध में दोबारा निर्देशित किया गया तथा संचालनालय नगरी प्रशासन एवं विकास मध्य प्रदेश भोपाल के पत्र क्रमांक 14902 भोपाल दिनांक 30 9 2020 के साथ संलग्न कर नगर पालिका विधि संग्रह की धारा 07 (छ) मैं स्पष्ट उल्लेख है कि ऐसे समस्त अधिकारी तथा सेवक जो विनिदृष्टि तारीख के ठीक पूर्व यथा स्थिति नगर क्षेत्र समिति या पंचायत के नियोजन में है इस अधिनियम के अधीन नगर परिषद के अधिकारी तथा सेवक होंगे और जब तक इस अधिनियम के उपबंधों के अनुसार अन्य उपबंध नहीं किया जाता वही वेतन तथा भत्ते प्राप्त करेंगे जो वह ऐसी तारीख के ठीक पूर्व पाने के हकदार थे तथा इन्हीं सेवा शर्तों के अध्ययन होंगे जिनके अध्यादीन वह ऐसी तारीखों के ठीक पूर्व थे आता है आपको पुन: निर्देशित किया जाता है कि संचालनालय नगरी प्रशासन एवं विकास मध्य प्रदेश भोपाल के पत्र क्रमांक 14902 भोपाल दिनांक 30 9 2020 के साथ संगठन नगर पालिका विधि संग्रह की धारा 07 (छ) में उल्लिखित अनुसार कार्यवाही करते हुए कर्मचारियों से कर लें तथा ग्राम पंचायत कल में प्राप्त हो रही वेतन परिश्रमी के अनुसार ही भुगतान करें बावजूद इसके आज दिनांक तक सभी संबंधित कर्मचारी वेतन एवं कार्य के लिए दर-दर भटक रहे हैं यदि वह नगर परिषद कार्यालय के अंदर जाते हैं तो वहां से उन्हें सीएमओ तथा अध्यक्ष के द्वारा भगा दिया जाता है तथा उपस्थित दिनांक से कुल 8 महीने का वेतन दिया गया है व 8 महीने का वेतन भुगतान लंबित है।

जिला आगर मालवा के फरार आरोपी व 10000 के ईनामी को थाना रामनगर की पुलिस टीम ने किया गिरफ्तार

अनुपपूर। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर को पुलिस अधीक्षक आगर मालवा के द्वारा सूचना प्राप्त हुई की आगर मालवा जिले का मोस्ट वांटेड आरोपी एवं माननीय उच्च न्यायालय का गिरफ्तारी वारंटी नितिन अटल पिता स्वर्गीय घनश्याम दास अटल निवासी मालीखेड़ी रोड आगर, थाना कोतवाली, जिला आगर मालवा, जिला अनूपपुर की सीमा में है। उक्त आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक जिला आगर मालवा द्वारा ?10,000 का इनाम उद्घोषित किया गया था। सूचना को पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री जितेंद्र सिंह पवार के द्वारा गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी रामनगर को त्वरित कार्यवाही करते हुए फरार आरोपी की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया। जिस पर थाना रामनगर के उप निरीक्षक श्यामलाल मरावी के द्वारा थाना रामनगर की पुलिस टीम के साथ रामनगर घुटरी टोला, मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ बार्डर जिला अनूपपुर में घेराबन्दी कर फरार आरोपी नितिन अटल को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। आरोपी को अभिरक्षा में लेकर जिला आगर मालवा की पुलिस टीम के प्रभारी डीएसपी मोतीराम कुशवाहा को सुपुर्द किया गया। उपरोक्त कार्यवाही पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देशन में थाना रामनगर के उप निरीक्षक श्यामलाल मरावी, आरक्षक नरेंद्र मसराम, रिंकू गोले एवं आर. राहुल प्रजापति का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

परिवहन अधिकारी स्कूल वाहनों और अन्य वाहन की सघन जांच करें

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बीएस जामोद ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शहडोल संभाग के सभी दुर्घटना संभावित स्थानों में सुधार किया जाए, दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट्स में निर्माण एजेन्सियों के अधिकारी साईन बोर्ड लगवाने, रोड मार्किंग करने, प्रकाश व्यवस्था करनें की कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए हैं कि शहडोल संभाग के सभी चिन्हित दुर्घटना संभावित स्थानों में निर्माण विभाग दुर्घटना रोकने के लिए जो भी कार्यवाहियां करना है वह शीघ्र करें।

नशेड़ी वाहन चालाकों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करें- कमिश्नर

कमिश्नर ने यह भी निर्देश दिए हैं कि शहडोल जिले के पतखई घाट, सोहागपुर थाने के पास स्थित फ्लाई ओवर, धुरवार टोल प्लाजा, रीवा रोड में ग्राम निपनिया स्टेट हाईवे, उमरिया जिले में मदारी ढावा के पास, साखी बैरियर के पास चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स में सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुधार कार्य किया जाए और रोड मार्किंग, प्रकाश व्यवस्था एवं बोर्ड लगाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। कमिश्नर ने लोक निर्माण विभाग एवं एनएचए के अधिकारियों को भी निर्देश दिए हैं कि वे शहडोल संभाग के दुर्घटना संभावित स्थानों का पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से निरीक्षण करें तथा दुर्घटना रोकने के लिए ब्लैक स्पॉट्स में क्या सुधार किया जा सकता है इसकी कार्य योजना बनाकर कार्यवाहियां करें। कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बीएस जामोद ने उक्त निर्देश बुधवार को कमिश्नर कार्यालय शहडोल में आयोजित संभाग स्तरीय सडक सुरक्षा समिति के बैठक में अधिकारियों को दिए। कमिश्नर ने लोक निर्माण विभाग एवं एनएचए के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शहडोल संभाग के चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स में दुर्घटना रोकने के लिए जो भी कार्यवाहियां की गई हैं इसके फोटोग्राफ्स मुझे उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे। बैठक में कमिश्नर ने शहडोल संभाग के सभी परिवहन अधिकारियो को निर्देश दिए है कि वे स्कूल बसों एवं सवारी बसों की सघन जांच करें तथा देखें कि बसे निर्धारित मापदंडो के अनुरूप हैं अथवा नहीं।

गणित के महाकुंभ में भाग लेने उमरिया जिले के नन्हे विद्यार्थी इंदौर में 8 मिनट में हल करेंगे 200 गणित के सवाल

उमरिया। नगर के विद्यार्थी गणित के महाकुंभ में भाग लेंगे यह 8 मिनट में 200 गणित के सवालों को हल करेंगे संस्था यूसीमास मानसिक अंकगणित प्रणाली की सार्वभौमिक अवधारणा की 19वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 27 अप्रैल को इंदौर में आयोजित होगी इसमें 5 से 13 वर्ष की आयु वाले उमरिया जिले से 11 विद्यार्थी जो प्रतियोगिता में भाग लेंगे संस्था के प्रबंधक वसीम अकरम ने बताया कि प्रतियोगी छात्रों को 8 मिनट में 200 गणित के जटिलतम सवालों को हल करने की चुनौती रहेगी। कोर्स प्रशिक्षण ने बताया कि यूसीमास संस्था की प्रतिवर्ष होने वाले राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश के करीब 6000 प्रतिभागी शामिल होंगे प्रतियोगिता के एक दिन बाद चैंपियन व पांच रनर अप विद्यार्थियों को इंदौर में सम्मानित किया जाएगा

घर से घसीटकर 300 मीटर दूर टाइगर ने किया इंसानी शिकार

उमरिया। मानपुर परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम मछखेता के देवरी गांव में टाइगर ने इंसानी शिकार किया है,जिसमे देवरी गांव निवासी वृद्ध रामप्रताप सिंह गोंड उम्र करीब 62 वर्ष के मौत की खबर है।बताया जाता है कि टाइगर ने हमले के बाद देवरी स्थित स्थानीय रामनरेश गुप्ता के खेत में वृद्ध को लगभग घसीटकर लाया था,बाद में उसी खेत मे वृद्ध की मौत हुई है,घटना स्थल मृतक के घर से करीब 300 मीटर दूर है।घटना के बाद से ही घटना स्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ है,जानकारी उपरांत सम्बन्धित वन अधिकारी-कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे है।बताया यह भी जाता है कि घटना स्थल के करीब म्रतक का जूता एवम हंसिया भी मिली है,जिससे सम्भावना जताई जा रही है कि गेंहू काटते समय टाइगर ने हमला किया है,और वृद्ध को मौत की नींद सुला दिया है।बताया यह भी जाता है कि म्रतक इंदवार क्षेत्र के थे,परन्तु गांव डूब क्षेत्र में आने के बाद विस्थापन के दौरान ये ग्राम देवरी में बस गए थे।

सही तरीके से कराए मासिक मूल्यांकन, परीक्षा परिणाम संतोषजनक नहीं- कलेक्टर

शाला त्यागी विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए करे प्रेरित, चलाए अभियान- कलेक्टर

शहडोल। कलेक्टर तरुण भटनागर ने आज कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक ली।बैठक में कलेक्टर ने कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के घोषित हुए परिणाम में असंतोष व्यक्त करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए जिले में संचालित विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक लेकर परीक्षा परिणाम बेहतर हो इस संबंध में कार्य योजना बनाएं। उन्होंने निर्देश दिए की विद्यालयों में आयोजित होने वाली मासिक परीक्षा का मूल्यांकन सही तरीके और ईमानदारी के साथ हो, मासिक मूल्यांकन सिर्फ औपचारिकता न रहे तथा 31 दिसंबर तक पाठ्यक्रम को पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को वार्षिक परीक्षा के अनुसार तैयारी कराए जिससे परीक्षा परिणाम सुधर सके। उन्होंने निर्देश दिए की अतिथि शिक्षकों की भर्ती योग्यता के अनुसार और निर्धारित मापदंडों के अनुसार करें तथा शिक्षकों की कमी विद्यालयों में न रहें इसकी कार्य योजना पहले से ही निर्धारित कर लें। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय हेतु विद्यालयो को चिन्हित कर पुस्तकालय की भी व्यवस्था सुनिश्चित करें।

कलेक्टर में समग्र शिक्षा अभियान के तहत विभागीय गतिविधियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि शाला त्यागी विद्यार्थीयो को शिक्षा के लिए प्रेरित करें और इसके लिए अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा की सचिव,शिक्षक शाला त्यागी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से चर्चा कर विद्यार्थियों को विद्यालय बुलाया जाए और उन्हें बेहतर शिक्षा प्रदान करें।

अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार से जिला मीडिया प्रभारी राम सिंह यादव के अपने नाती अंश यादव का तीसरी बार जन्मदिन मनाया जाने पर कोटि कोटि बधाई एवं आशीर्वाद स्वरुप भेंट किया

जन्मदिन की हार्दी बधाई एव शुभकामनाए

बधाई : अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार से प्रदेश सचिव श्री आर आर दीक्षित असमल खान, हलके कुशवाहा,धीरेंद्र सिंह परिहार वकील एवं परिवारजन एवं ईस्ट मित्रों ने अंश को बधाई दी और अपना आशीर्वाद प्रदान किया

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. नं 19 जिंसी जहांगीराबाद, भोपाल,मप्र, मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 9 , जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। संवादक-डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनूपपुर होगा। मो -9893798715